लखनऊ । वाराणसी । नई दिल्ली

29 अक्टूबर 2026 गुरूवार
वर्ष : 20 अंक: 116
पृष्ठ : 8
वाराणसी
काशी संस्करण
मूल्य: 2.00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

Power Of Truth

द्धद्दड्ढ ड्डस्द्धह्वस

www.facebook.com/lokhastakshep www.twitter.com/lokhastakshep /Lokhastakshep /Lokhastakshep

www.lokhastakshep.com

यूपी एमएलसी चुनाव में बीजेपी का दबदबा

6 सीटों के नतीजे घोषित, 4 पर भाजपा और 2 पर सपा को जीत

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के 11 शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव के लिए जारी मतगणना में अब तक छह सीट के परिणाम आधिकारिक रूप से घोषित किए गए हैं, जिनमें से चार सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और दो पर समाजवादी पार्टी (सपा) ने जीत हासिल की है। वाराणसी खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की प्रतिष्ठित सीट पर सपा के लाल बिहारी यादव ने जीत हासिल की है। राज्य निर्वाचन कार्यालय की ओर से बुधवार को जारी परिणाम के अनुसार, मेरठ स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के दिनेश कुमार गोयल, लखनऊ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के उमेश द्विवेदी, वाराणसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा के लाल बिहारी यादव, आगरा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा के डॉ. आकाश अग्रवाल, मेरठ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के श्रीचंदर शर्मा और बरेली–मुरादाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा के डॉ. हरि सिंह ढिल्लो ने जीत हासिल की है।

वाराणसी खंड शिक्षक क्षेत्र की प्रतिष्ठित सीट पर सपा प्रत्याशी लाल बिहारी यादव ने काफी विवाद और आरोप–प्रत्यारोप के बीच जीत हासिल की। यादव ने परिणाम घोषित होने से पहले ही अपनी जीत का दावा करते हुए प्रशासन पर जीत की आधिकारिक घोषणा करने में देरी का आरोप लगाया। चंदौली से सपा सांसद वीरेंद्र सिंह ने वाराणसी शिक्षक एवं स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की मतगणना को लेकर जिला प्रशासन पर सवाल उठाए थे और कहा था कि शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से सपा प्रत्याशी लाल बिहारी यादव चुनाव जीत चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन परिणाम घोषित नहीं कर रहा। उन्होंने कहा था कि यादव की जीत के बावजूद करीब छह घंटे तक परिणाम की आधि ाकारिक घोषणा नहीं किए जाने से संदेह पैदा होता है। वाराणसी खंड स्नातक सीट पर सपा के आशुतोष सिन्हा, इलाहाबाद–झांसी खंड स्नातक सीट पर सपा के डॉ. मानसिंह यादव और लखनऊ खंड स्नातक सीट पर सपा की कांति सिंह ने मजबूत बढ़त बना रखी है।

वहीं, आगरा–अलीगढ़ खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी मानवेंद्र सिंह जीत की ओर बढ़ रहे हैं। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की कुल 11 विधान परिषद सीट के लिए मतगणना मंगलवार सुबह आठ बजे शुरू हुई थी। इससे पहले, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने श्एक्सश पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें सपा प्रत्याशी अग्रवाल फटा कुर्ता पहने दिखाई दे रहे हैं और उनके समर्थक उनके साथ मारपीट किए जाने का आरोप लगा रहे हैं। यादव ने पोस्ट में कहा, अब भाजपा खुद ही बताए कि आगरा से जीतते हुए सपा के एमएलसी प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल के साथ उसके लोगों द्वारा किया गया यह व्यवहार कितना जायज है। उन्होंने निर्वाचन आयोग के साथ–साथ उच्चतम न्यायालय और राष्ट्रपति से भी मामले का तत्काल संज्ञान लेने का अनुरोध किया और प्रशासन से अग्रवाल को जीत का प्रमाणपत्र तुरंत देने का आग्रह किया।

निवेश और उद्योग का हब बन रहा उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेशकों का बढ़ा भरोसा : योगी

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुध ावार को कहा कि प्रदेश निवेश, नवाचार और उद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है और बेहतर कानून–व्यवस्था, पारदर्शी नीतियों और निवेश के अनुकूल माहौल से राज्य में वैश्विक निवेशकों का भरोसा बढ़ा है। आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में हुए बदलावों का जिक्र करते हुए पिछली सरकार पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा, वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में वैश्विक निवेश आकर्षित करने की न स्पष्ट दृष्टि थी, न कोई ठोस कार्ययोजना। किन्तु डबल इंजन सरकार ने इस स्थिति को बदला।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में राज्य में सुध ाार, प्रदर्शन और परिवर्तन के मंत्र के साथ निवेश तथा औद्योगिक विकास के लिए नई कार्यसंस्कृति विकसित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर कानून–व्यवस्था, पारदर्शी नीतियों और निवेश के अनुकूल वातावरण के कारण उत्तर प्रदेश अब निवेश, नवाचार और उद्योग के प्रमुख केंद्र के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा, इसी बढ़ते वैश्विक विश्वास को नई ऊंचाई देने के लिए आज सिंगापुर के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में उत्तर प्रदेश में निवेश की नई संभावनाओं, वर्तमान की परियोजनाओं को गति देने और निवेश को धरातल पर उतारकर उत्पादन शुरू करने पर चर्चा होगी। आदित्यनाथ ने पोस्ट में आगे कहा कि हर निवेश से नया उद्योग, हर उद्योग से नया रोजगार और हर रोजगार से परिवारों में खुशहाली, इसी संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है।

मोहाली में पंजाब मेडिकल काउंसिल के मेडिकल भवन में सीबीआई की रेड

एजेंसी,मोहाली। मोहाली के सेक्टर–69 स्थित पंजाब मेडिकल काउंसिल के मेडिकल भवन में मंगलवार देर रात को रेड की सूचना से हलचल मच गई। बताया जा रहा है कि यहां केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की टीम जांच कर रही है। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई सामाजिक कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड से जुड़े तथ्यों की पड़ताल के सिलसिले में की जा रही है। मेडिकल भवन के फार्मेसी विभाग में जांच चलने की जानकारी सामने आई है। रेड की कार्रवाई बुधवार तक जारी है। सूत्रों के मुताबिक, जांच एजेंसी की टीम ड्रग लाइसेंस और इससे संबंधित दस्तावेजों के बारे में जानकारी जुटा सकती है। हालांकि, सीबीआई की टीम किस मामले में और किन दस्तावेजों की जांच कर रही है, इसे लेकर अभी आधि ाकारिक तौर पर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है। न ही एजेंसी की ओर से कार्रवाई के उद्देश्य को लेकर कोई औपचारिक बयान सामने आया है। परविंदर सिंह झोटा हत्याकांड पहले भी जांच एजेंसियों की कार्रवाई को लेकर चर्चा में रहा है। ऐसे में मेडिकल भवन में चल रही कथित रेड को इस मामले से जोड़कर देखा जा रहा है। ड्रग लाइसेंस से संबंधित रिकॉर्ड की जांच किए जाने की संभावना के चलते यह कार्रवाई अहम मानी जा रही है। हालांकि, दोनों के बीच संबंध होने की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पंजाब मेडिकल काउंसिल राज्य में डॉक्टरों के पंजीकरण और संबंधित नियामकीय कार्यों से जुड़ी संस्था है। मेडिकल भवन में फार्मेसी विभाग के स्तर पर जांच की सूचना सामने आने के बाद कार्रवाई को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं।

धनतेरस,दीपावली, भैया दूज,अन्नकूट को पर व्यापारियों ने की तैयारी

लखनऊ,संवाददाता। कल करवा चौथ से शुरू हो रहे दीपावली फेस्टिवल सीजन को लेकर राजधानी के व्यापारियों में भारी उत्साह है उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने बताया कि उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के आंकलन के अनुसार इस वर्ष दीपावली के फेस्टिवल सीजन मे राजधानी लखनऊ में 6000 करोड रुपए से अधिक का व्यापार लखनऊ में होने की उम्मीद है। प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्त ने बताया कल से शुरू हो रहे करवा चौथ, धनतेरस, दीपावली, भैया दूज, अन्नकूट के त्योहारों को लेकर व्यापारियों मे जोश एवं उम्मीद है व्यापारियों ने व्यापक तैयारी की है तथा बाजारों में रौनक आ गई है।

टाटा समूह को 'आपराधिक तरीके से बर्बाद' किया जा रहा, कारोबारी चुप क्यों? : राहुल गांधी

एजेंसी,नयी दिल्ली । कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को आरोप लगाया कि टाटा समूह को आपराधिक तरीके से बर्बाद किया जा रहा है और देश का कोई भी प्रमुख कारोबारी इसके खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत नहीं कर रहा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में सवाल किया कि कारोबारी जगत आखिर कब तक चुप रहेगा? उन्होंने कहा, टाटा को आपराधिक तरीके से बर्बाद किया जा रहा है और कोई भी कारोबारी नेता एक शब्द कहने की हिम्मत नहीं कर रहा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सवाल किया, आप कब तक चुप रहेंगे? तब तक, जब तक वे आप पर कब्जा नहीं कर लेते?

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा, भारतीय कारोबार मोदी और शाह का खिलौना नहीं है। आपमें साहस की कमी है। हममें नहीं। हम इन अपराधों के लिए न्याय सुनिश्चित करेंगे। उनके आरोपों पर सरकार अथवा टाटा समूह की तत्काल प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी है।

एसआईआर रद्द करने और बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग, एमके स्टालिन ने राष्ट्रपति को भेजी याचिका

एजेंसी,नयी दिल्ली। तमिलनाडु की राजनीति में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर विवाद तेज हो गया है। द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) के अध्यक्ष और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को याचिका भेजकर एसआईआर प्रक्रिया रद्द करने और चुनाव में बैलेट पेपर की व्यवस्था दोबारा लागू करने की मांग की है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ भी कार्रवाई की मांग उठाई है। स्टालिन ने मतदाता सूची से कथित तौर पर 97 लाख नाम हटाए जाने पर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि इतने बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम सूची से बाहर होने के कारणों की जांच होनी चाहिए। साथ ही यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि नाम हटाए जाने का चुनाव परिणामों पर कोई असर पड़ा या नहीं। स्टालिन की याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त के कथित पक्षपातपूर्ण आचरण को लेकर संवैधानिक प्रक्रिया शुरू करने की मांग की गई है। उनके मुताबिक, चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्थान की निष्पक्षता और विश्वसनीयता बनाए रखना बेहद जरूरी है। याचिका में संविधान के अनुच्छेद 86(2) के तहत संसदीय संदर्भ शुरू करने की मांग का भी उल्लेख किया गया है।

स्टालिन ने तमिलनाडु में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मामले की समीक्षा के लिए अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट से राय लेने की अपील भी की है। इन मांगों पर संबंधित संवैधानिक संस्थाओं की ओर से क्या कदम उठाया जाता है, यह देखना महत्वपूर्ण होगा। डीएमके प्रमुख ने मांग की है कि एसआईआर प्रक्रिया से पहले की मतदाता सूची बहाल की जाए। उनका तर्क है कि मतदाता सूची में बदलाव की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और किसी भी पात्र नागरिक को मतदान के अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

राज्यसभा उपचुनाव, मध्य प्रदेश से केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी होंगे भाजपा उम्मीदवार

एजेंसी,नयी दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति ने मध्य प्रदेश में होने वाले राज्यसभा उपचुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के नाम पर मुहर लगा दी है। पार्टी ने बुधवार को उनके नाम की आधिकारिक घोषणा की। मध्य प्रदेश में राज्यसभा की एक सीट पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरुगन के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी। इस सीट पर उपचुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने कार्यक्रम घोषित कर दिया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, यदि मतदान की आवश्यकता हुई तो 12 नवंबर 2026 को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक मतदान कराया जाएगा। इसके बाद मतगणना होगी। उपचुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की प्रक्रिया 26 अक्टूबर से शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार 2 नवंबर तक नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 3 नवंबर को होगी, जबकि नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 5 नवंबर निर्धारित की गई है। इस उपचुनाव में मध्य प्रदेश विधानसभा के विधायक राज्यसभा सदस्य का चुनाव करेंगे।

ध्रुव त्रिपाठी 307 मतों से जीते

राजीव यादव ने 1600 मतपत्रों पर उठाए सवाल

संवाददाता गोरखपुर। गोरखपुर– फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में भाजपा समर्थित प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने 307 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें कुल 14,887 मत मिले, जबकि निर्दलीय प्रत्याशी राजीव यादव को 14,580 मत प्राप्त हुए। 27 अक्टूबर की सुबह आठ बजे शुरू हुई मतगणना करीब 35 घंटे बाद बुधवार को पूरी हुई। इसके बाद रिटर्निंग ऑफिसर एवं मंडलायुक्त इंद्र विक्रम सिंह ने परिणाम घोषित किया। यह ध्रुव त्रिपाठी की लगातार चौथी जीत है।

द्वितीय वरीयता के मतों की गणना से लगा समय

मतगणना में द्वितीय वरीयता के मतों की गणना के कारण परिणाम आने में लंबा समय लगा। प्रक्रिया के दौरान 14 प्रत्याशियों के एलिमिनेशन के बाद उनके मतपत्रों पर दर्ज द्वितीय वरीयता के मतों की नियमानुसार गणना कर संबंधित प्रत्याशियों के खाते में जोड़े गए। मतगणना पूरी होने पर ध्रुव त्रिपाठी और राजीव यादव के बीच 307 मतों का अंतर सामने आया।

जीत के बाद पुरानी पेंशन पर दिया बयान

परिणाम घोषित होने के बाद ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने पत्रकारों से बातचीत में पुरानी पेंशन को राष्ट्रीय मुद्दा बताया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में राष्ट्रीय नेतृत्व निर्णय लेगा। साथ ही उन्होंने शिक्षकों के हितों के लिए संघर्ष जारी रखने की बात कही। पुरानी पेंशन की बहाली शिक्षकों की प्रमुख मांगों में शामिल रही है। हालांकि, इस मुद्दे पर अपनी ओर से किसी ठोस पहल या आगे की कार्ययोजना का उन्होंने स्पष्ट विवरण नहीं दिया।

शिक्षकों के हित में किए गए कार्यों पर सवाल

लगातार चौथी बार जीत दर्ज करने के बाद ध्रुव त्रिपाठी से उनके कार्यकाल में शिक्षकों के हित में किए गए प्रमुख कार्यों और उपलब्धियों के बारे में पूछा गया। उपलब्धियों को लेकर वह स्पष्ट और बिंदुवार जवाब नहीं दे सके। ऐसे में उनके पिछले कार्यकाल के कामकाज और आगामी प्राथमिकताओं को लेकर सवाल उठे। शिक्षकों की सेवा संबंधी समस्याओं, पुरानी पेंशन और अन्य मांगों पर उनके प्रतिनिधित्व की भूमिका भी चर्चा में रही।

राजीव यादव ने 1600 मतपत्रों की जांच की मांग की

चुनाव परिणाम से असंतुष्ट निर्दलीय प्रत्याशी राजीव यादव ने मतगणना प्रक्रिया पर सवाल उठाए। उनका आरोप है कि करीब 1,600 मतपत्रों पर एक और दो के अंक एक ही पेन से लिखे गए हैं। उन्होंने इन मतपत्रों की प्रामाणिकता की जांच के लिए फॉरेंसिक जांच कराने और परिणाम को न्यायालय में चुनौती देने की बात कही।

राजीव यादव के इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए मतपत्रों को लेकर उठाए गए सवालों और उनकी प्रामाणिकता के संबंध में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले संबंधित साक्ष्यों की जांच आवश्यक होगी। न्यायालय में चुनौती देने की उनकी घोषणा के बाद इस मामले में आगे की कार्रवाई पर नजर रहेगी।

प्रशासन और पुलिस की निगरानी में हुई मतगणना

मतगणना की जिम्मेदारी रिटर्निंग ऑफिसर एवं मंडलायुक्त इंद्र विक्रम सिंह के नेतृत्व में निभाई गई। जिलाधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग ऑफिसर दीपक मीणा ने निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं की निगरानी की। डीआईजी रेंज एस. चन्नप्पा और एसएसपी डॉ. कौस्तुभ ने सुरक्षा व्यवस्था संभाली। मतगणना स्थल और आसपास कानून–व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात रहा।

प्रशासनिक समन्वय में मुख्य विकास अधिकारी शाश्वत त्रिपुरारी, अपर आयुक्त प्रशासन अजय राय, उप जिला निर्वाचन अधिकारी जय प्रकाश और अपर जिलाधिकारी नगर गजेंद्र कुमार सहित विभिन्न अधिकारियों ने जिम्मेदारियां निभाई। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की निगरानी में मतगणना की प्रक्रिया पूरी कर परिणाम घोषित किया गया।

परिणाम के बाद दो प्रमुख मुद्दे चर्चा में

ध्रुव कुमार त्रिपाठी की 307 मतों से जीत के साथ शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र का परिणाम घोषित हो गया है। वहीं, जीत के बाद पुरानी पेंशन पर राष्ट्रीय नेतृत्व के निर्णय का हवाला और शिक्षकों के हित में किए गए कार्यों से जुड़े सवाल भी सामने आए। दूसरी ओर, राजीव यादव ने मतपत्रों की जांच और न्यायालय जाने की बात कही है। उनके आरोपों की पुष्टि अभी नहीं हुई है। ऐसे में चुनाव परिणाम, शिक्षकों की मांगों और मतगणना प्रक्रिया पर उठे सवालों से जुड़े तथ्यों को अलग–अलग रखते हुए आगे की स्थिति पर नजर रखना महत्वपूर्ण होगा।

उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे से नीचे गिरी कार, कोलकाता के 7 लोग घायल, चालक को नींद आने की आशंका

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। गंगा एक्सप्रेसवे पर हादसा, सात लोगों को अस्पताल में कराया भर्ती। उन्नाव में गंगा एक्सप्रेसवे पर बुधवार सुबह करीब 10 बजे एक कार अनियंत्रित होकर नीचे गिर गई। इस हादसे में कोलकाता के सात लोग घायल हो गए। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, कार सवार सभी लोग कश्मीर से कोलकाता जा रहे थे। शुरुआती जांच में आशंका है कि चालक को नींद आने के कारण कार बेकाबू हुई। यह घटना माखी थाना क्षेत्र में किलोमीटर संख्या 404 के पास हुई। घायलों में मिन्हाजुदीन, काजी हसन, ममतज, हालीमा, शालिमा, सूरज और अबु सलम शामिल हैं। सूचना मिलते ही माखी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। माखी थानाध्यक्ष योगेश सिंह के नेतृत्व में पुलिस मामले की जांच कर रही है ताकि हादसे के सही कारणों का पता चल सके।

करवाचौथ पर बाजार में पसरा सन्नाटा महंगाई ने बिगाड़ा त्योहार का स्वाद

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। कोटवा सड़क पर करवा चौथ पर्व को लेकर सजी दुकानों पर इस बार ग्राहकों का इंतजार ही होता रहा। त्योहार से एक दिन पहले तक बाजार में वो रौनक नहीं दिखी जो हर साल दिखती थी।

दुकानदार लइया, चूड़ा और बताशे के ढेर लगा रखे हैं, लेकिन खरीददार नदारद हैं। दुकान पर बैठा दुकानदार ग्राहकों की राह ताक रहे है।दुकानदारों ने बताया कि महंगाई की मार से बिक्री आधी रह गई है। एक दुकानदार ने कहा पहले करवा चौथ पर कई–कई बोरे लइया–चूड़ा बिक जाता था, अब कल त्योहार है फिर भी कोई खास बिक्री नहीं हुई है। महंगाई की वजह से लोग कम ही ले रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि हर चीज के दाम बढ़ने से त्योहार का बजट बिगड़ गया है, इसलिए बाजार में सन्नाटा पसरा हुआ है।

पंचायत भवन या प्रधान के चहेते का गैराज ? टेंट और ट्रैक्टर ने छीना गरीबों का हक

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

रामसनेहीघाट बाराबंकी। योगी सरकार का दावा है पंचायत भवन में ही मिलेगा सारे कागज, सचिवालय होगा गांव का दिल। लेकिन विकास खंड दरियाबाद की ग्राम पंचायत खानपुर शम्भूदयाल में इस दिल में दिल का दौरा पड़ गया है। यहाँ का पंचायत भवन अब सरकार का नहीं,टेंट वाले और ई–रिक्शा वालों का अड्डा बन गया है।लाखों की लागत से बना पंचायत भवन खंडहर में बदल रहा है। बरामदे में सरकारी फाइलों की जगह टेंट के बांस–बल्ली, कुर्सियां पड़ी हैं। एक कोने में ई–रिक्शा चार्जिंग पर लगा है, दूसरे कोने में ट्रैक्टर और रोटावेटर खड़ा है। बोर्ड पर लिखा है पंचायत भवन, अंदर चल रहा है प्राइवेट बिजनेस!

ग्रामीण बोले साहब, हम कहां जाएं ष्प्रधान जी ने पंचायत घर अपने खास लोगों को दे दिया है। परिवार रजिस्टर की नकल चाहिए, जन्म–मृत्यु का कागज चाहिए तो दरियाबाद ब्लॉक के चक्कर काटो। यहां ताला लगा रहता है। सचिव का तो पता ही नहीं कब आते हैं।मतलब साफ है गरीब का कागज अटका, चहेते का धंधा चमका।बीडीओ संस्कृता मिश्रा से बात की गई तो उन्होंने वही घिसा–पिटा जवाब दिया जांच करवाते हैं।अब सवाल ये है कि जांच कब होगी? जब पंचायत भवन पूरी तरह गोदाम बन जाएगा?

बहनोई के अंतिम संस्कार में जा रहे किसान की मौत

हरदोई,संवाददाता। जिले में बुधवार सुबह करीब 9.30 बजे माधौगंज–नयागांव मार्ग पर सड़क हादसे में बाइक सवार किसान पुत्तूलाल (50) की मौत हो गई। वह बहनोई के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे। बांसा मोड़ के पास पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान दोपहर 1.03 बजे उनकी मौत हो गई। हादसे से परिवार में कोहराम मच गया। करवा चौथ की तैयारी कर रहीं पत्नी पुष्पा और उनकी तीन बेटियों का रो–रोकर बुरा हाल है। उन्नाव जिले के बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र के कैथोली गांव निवासी पुत्तूलाल खेती करते थे। वह चार भाइयों और चार बहनों में सबसे बड़े थे। हरदोई के सांडी थाना क्षेत्र के म्योढ़ा गांव में रहने वाले उनके बहनोई श्रीप्रकाश का मंगलवार को हृदयाघात से निधन हो गया था।

बुधवार सुबह करीब 8 बजे पुत्तूलाल बाइक से बहनोई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए म्योढ़ा गांव निकले थे। मल्लावां कोतवाली क्षेत्र में माधौगंज–नयागांव मार्ग पर बांसा मोड़ के पास पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

कलेक्ट्रेट परिसर में एसडीएम की गाड़ी ने अधिवक्ता की कार को मारी टक्कर, बाल–बाल बचे

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी। कलेक्ट्रेट परिसर में मंगलवार की शाम एक बड़ा हादसा टला। शाम करीब चार बजे परिसर के भीतर एक एसडीएम की तेज रफ्तार गाड़ी ने दीवानी न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता योगेश सक्सेना की कार में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अधिवक्ता की कार काफी क्षतिग्रस्त हो गई, हालांकि कार सवार वरिष्ठ अधिवक्ता इस हादसे में बाल–बाल बच गए। कलेक्ट्रेट जैसे अति सुरक्षित और व्यस्त सरकारी परिसर के अंदर वाहन की रफ्तार तेज होने को लेकर अब गंभीर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं। घटना के बाद स्थानीय अधिवक्ताओं में गहरा रोष व्याप्त है।

उन्नाव में दिव्यांग युवक से मारपीट के मामले में 6 दिन बाद FIR, अब भी सहमा है पीड़ित : तन्मय श्रीवास्तव

उन्नाव। जिले में दिव्यांग युवक के साथ कथित मारपीट के मामले में छह दिन बाद एफआईआर दर्ज होने पर कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ ने नाराजगी जताई है। प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव एवं प्रवक्ता तन्मय श्रीवास्तव ने कहा कि पीड़ित अनुपम कुमार अभी भी डरा और सहमा हुआ है। उन्होंने मामले में निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। बता दे कि बुधवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान तन्मय श्रीवास्तव ने बताया कि शेखपुरा नहर बाजार निवासी अनुपम कुमार करोवन मोड़ स्थित कुडूखेड़ा क्रॉसिंग के पास एएस इलेक्ट्रॉनिक एंड फर्नीचर में काम करता है। वह 60 प्रतिशत दिव्यांग है। आरोप है कि गुनगुन इलेक्ट्रॉनिक एवं कॉस्मेटिक की मालकिन और एक नौकरानी ने उसे बीच सड़क पर लाठी–डंडों से पीटा और जान से मारने की धमकी दी। तन्मय श्रीवास्तव के अनुसार, पीड़ित ने चौकी मगरवारा और सदर कोतवाली में शिकायत की, लेकिन शुरुआती दो दिनों तक सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने संगठन के पदाधिकारियों को अपनी आपबीती बताई। उन्होंने बताया कि 27 अक्टूबर की देर शाम तीन लोगों के खिलाफ बीएनएस की धारा 115 और 351 के तहत एफआईआर दर्ज की गई। हालांकि, उन्होंने मांग की कि वीडियो में दिखाई देने वाले लोगों की पहचान कर जांच की जाए और 15 दिनों के भीतर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जब तक पीड़ित को न्याय नहीं मिलता, तब तक संगठन एफआईआर की कार्रवाई से संतुष्ट नहीं है। बैठक में जिला अध्यक्ष शाश्वत बाजपेई, सुरेंद्र कुमार, अरविंद सोनी, गंगाघाट नगर अध्यक्ष सोनम सतीश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

लोकतंत्र में असहमतियों का सम्मान जरूरी, कटुवाणी से बचें : ओम बिरला

कबीरधाम पहुंचे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नितिन अग्रवाल

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखीमपुर खीरी (गोला गोकर्णनाथ), । लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को गोला गोकर्णनाथ स्थित कबीरधाम आश्रम में आयोजित कबीर महोत्सव और संत श्री असंग देव जी के 60वें जन्मोत्सव कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह और आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने कबीर स्मृति भवन का भूमि पूजन किया। अपने संबोधन में ओम बिरला ने कहा कि लोकतंत्र में वैचारिक मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन हमें हमेशा एक–दूसरे की असहमतियों का सम्मान करना चाहिए। उन्होंने समाज में कटुता या घृणा फैलाने वाली भाषा से बचने और वाणी में संयम रखने की अपील की। उन्होंने जोर देकर कहा कि सार्वजनिक जीवन में व्यक्ति अपने पद से नहीं बल्कि अपने कर्मों से याद किया जाता है। संत कबीर के विचार आज 600 साल बाद भी पूरी तरह प्रासंगिक हैं।

बीघापुर में 30 अक्टूबर से पंडित प्रदीप मिश्रा करेंगे शिवपुराण कथा, तैयारियां पूरी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

बीघापुर (उन्नाव)। भगवंत नगर विधानसभा क्षेत्र के गौरी गांव (एनएच–31) में 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक भव्य श्री शिव महापुराण कथा का आयोजन होने जा रहा है। सीहोर (मध्य प्रदेश) के प्रख्यात कथा मर्मज्ञ पंडित प्रदीप मिश्रा जी प्रतिदिन दोपहर 1रू00 से सायं 4रू00 बजे तक श्रद्धालुओं को शिव महिमा का रसपान कराएंगे। जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष अरुण सिंह ने प्रेस वार्ता में बताया कि कथा के शुभारंभ पर 30 अक्टूबर को सुबह 7:00 बजे ऐतिहासिक श्री गोदावलेश्वर महादेव मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जिस पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा होगी। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए 2.5 लाख वर्ग फीट का विशाल वाटरप्रूफ पंडाल बनाया गया है, जिसे 36 सेक्टरों में बांटा गया है।

सुरक्षा के लिए पूरे परिसर में 80 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और सुगम यातायात के लिए 20 बड़े पार्किंग स्थल चिह्नित किए गए हैं। इसके अलावा 120 मोबाइल शौचालय, 25 पानी के टैंकर और 20 बेड की आपातकालीन चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। आयोजन समिति ने स्पष्ट किया है कि यह कथा पूरी तरह निःशुल्क है और इसके लिए किसी पास की आवश्यकता नहीं है।

बेसमेंट की शटरिंग खोलते समय स्लैब गिरा, उन्नाव में 2 मजदूरों की मौत, 1 घायल, SDRF ने चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

उन्नाव। शुक्लागंज क्षेत्र में बुधवार दोपहर निर्माणाधीन मकान का स्लैब और जीने का हिस्सा गिरने से दो मजदूरों की मौत हो गई, जबकि एक मजदूर घायल हो गया। हादसे के समय तीनों बेसमेंट में बने जीने की शटरिंग खोल रहे थे। मलबे में दबे मजदूरों को निकालने के लिए पुलिस–प्रशासन के साथ राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। घायल मजदूर को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना दोपहर पौने दो बजे घोंघी रौतापुर ग्राम पंचायत स्थित रायल सिटी प्लाटिंग की है। निर्माणाधीन मकान कानपुर के मंगला विहार निवासी किशन गुप्ता का बताया गया है। मलबे में दबे मजदूरों को निकालने के लिए पुलिस–प्रशासन के साथ एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। बुधवार दोपहर में मजदूर बेसमेंट में बने जीने की शटरिंग खोल रहे थे। इसी दौरान स्लैब और सीढ़ी का हिस्सा अचानक गिर गया, जिससे तीनों मजदूर मलबे में दब गए। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस–प्रशासन को सूचना दी गई। एसडीएम राजेश विश्वकर्मा, एसपी सिटी आयुष श्रीवास्तव और एसडीआरएफ की 30 सदस्यीय टीम ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। मलबे में मजदूरों के फंसे होने के कारण बचाव दल को सरिया काटना पड़ा और कंक्रीट के हिस्से तोड़ने पड़े। इसके बाद मजदूरों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। जिला अस्पताल में बुधवार दोपहर करीब तीन बजे डॉ. आशीष कुमार ने दो मजदूरों को मृत घोषित कर दिया। बता दे कि मृतक की पहचान जयप्रकाश (35), पुत्र बैजनाथ, निवासी पटेलनगर, रामादेवी, कानपुर और सोहन, पुत्र रामकृपाल, निवासी सहानीपुर, हुसैनगंज, फतेहपुर के रूप में हुई है। सोहन के पिता रामकृपाल भी हादसे में घायल हुए हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में राहत एवं बचाव कार्य कराया गया। एसडीआरएफ की टीम ने मलबे में दबे मजदूरों को निकालने में मदद की। निर्माणाधीन मकान में शटरिंग खोलते समय स्लैब और सीढ़ी का हिस्सा गिरने से निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा इंतजामों पर सवाल उठे हैं। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ और सुरक्षा के क्या इंतजाम थे, यह जांच के बाद स्पष्ट होगा। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

श्रीमद्भागवत कथा का समापन

रायबरेली,संवाददाता। छतोह ब्लॉक के पूरे बैशन, मजरे बभनपुर में सात दिन से चल रही श्रीमद्भागवत कथा का समापन हुआ। सातवें दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा सुनने पहुंचे। कथा व्यास आचार्य धर्मेश हरि जी महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं और श्रीमद्भागवत के प्रसंग सुनाए।

ससुरालियों के उत्पीड़न से तंग आकर विवाहिता ने की खुदकुशी की कोशिश, हालत नाजुक

- **शिवम और कौशल किशोर पर मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना का आरोप**

लोक हस्तक्षेप संवाददाता, लखीमपुर खीरी। कोतवाली सदर क्षेत्र के अंतर्गत रमुवा पुर सत्ती गांव में ससुराल पक्ष के कथित उत्पीड़न से तंग आकर एक विवाहिता द्वारा फंदे से लटककर आत्महत्या का प्रयास करने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता को गंभीर हालत में स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, गांव की रहने वाली गोल्डी वर्मा नामक महिला ने अपने ससुराल वालों के जुल्म से तंग आकर यह आत्मघाती कदम उठाया। महिला का गंभीर आरोप है कि उसके जेठ शिवम और कौशल किशोर उसे लंबे समय से लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। इस प्रताड़ना से क्षुब्ध होकर उसने घर के भीतर फंदे से लटककर जान देने की कोशिश की।

हर माह एक लाख प्रशिक्षण का लक्ष्य तय करें अधिकारी : केशव

संवाददाता

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने दीनदयाल उपाध्याय राज्य ग्राम्य विकास संस्थान की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अधिकारियों, कर्मचारियों, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों तथा ग्रामीण विकास से जुड़े कार्मिकों की कार्यक्षमता बढ़ाने के लिए मासिक एक लाख प्रशिक्षण का लक्ष्य निर्धारित किया जाए। जिला स्तर से लेकर संस्थान मुख्यालय तक नियमित रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। प्रशिक्षण की गुणवत्ता, विषयवस्तु और उपयोगिता में निरंतर सुधार करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि प्रशिक्षण का लाभ संबंधित कार्मिकों के कार्य व्यवहार और जनसेवा की गुणवत्ता में दिखाई दे।

श्री मौर्य ने अप्रैल से सितम्बर, 2026 तक आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की प्रगति, गुणवत्ता, सुधार और कार्यदक्षता की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि संस्थान की प्रशिक्षण क्षमता और उपलब्ध संसाधनों के अनुरूप मासिक प्रशिक्षण रोस्टर तैयार किया जाए। प्रशिक्षणार्थियों को आवास, भोजन, शिक्षण सामग्री सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं समय से उपलब्ध कराई जाएं। प्रशिक्षकों एवं शिक्षकों के मानदेय का भुगतान निर्धारित समय पर सुनिश्चित किया जाए तथा उन्हें अनुमन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में किसी प्रकार की देरी न हो। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रहने चाहिए, बल्कि इनसे अधिकारियों एवं कर्मचारियों की दक्षता, कार्यशैली और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सुधार होना चाहिए। प्रशिक्षण की नियमित निगरानी की जाए तथा प्रतिभागियों से प्राप्त फीडबैक के आधार पर व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाए।। जनगणना–2027 के द्वितीय चरण के लिए आठ सत्रों में 332 मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षण दिया गया। स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं के लिए आयोजित 3,334 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 1,03,905 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। श्री मौर्य ने कहा कि मासिक एक लाख प्रशिक्षण के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मुख्यालय, क्षेत्रीय एवं जिला स्तर पर समन्वय बनाकर कार्य किया जाए। इससे ग्रामीण विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी आएगी और जनसामान्य को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात; हुआ व्यापक विमर्श : योगी आदित्यनाथ

☐ सीएम योगी ने ओम बिरला से की शिष्टाचार भेंट सोशल मीडिया पर साझा कीं तस्वीरें

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अपने सरकारी आवास 5, कालिदास मार्ग पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से शिष्टाचार भेंट की। दोनों नेताओं के बीच हुई इस मुलाकात को बेहद आत्मीय और सार्थक माना जा रहा है। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के बीच देश की समृद्ध संसदीय परंपराओं, लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने और उत्तर प्रदेश के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर व्यापक विचार–विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री ने लोकसभा अध्यक्ष को राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे नवाचारों और लोक–कल्याणकारी योजनाओं की प्रगति से भी अवगत कराया।

मुलाकात के दौरान लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक पवित्र शिवलिंग भेंट स्वरूप प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने इस आत्मीय भेंट के लिए लोकसभा अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया। दोनों नेताओं ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात की तस्वीरें साझा करते हुए इसे एक सुखद और सकारात्मक संवाद बताया है। इस अवसर पर प्रशासन और सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

भारी बारिश और तूफान का अलर्ट : यूपी के 8 जिलों में रेड अलर्ट, प्रशासन ने दी चेतावनी

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विभाग ने प्रदेश में 29 से 31 अक्टूबर तक भारी बारिश, तेज हवा और तूफान का अलर्ट जारी किया है। यूरोपीय मध्यम–अवधि मौसम पूर्वानुमान केंद्र (म्ब्डॅ्) मॉडल के मानचित्र के अनुसार, सबसे ज्यादा असर पूर्वी उत्तर प्रदेश (पूर्वांचल) में देखने को मिलेगा, जबकि पश्चिमी यूपी में राहत रहेगी।

मौसम विभाग ने प्रदेश को 6 अलग–अलग वर्षा जोन में बांटा है। सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, कुशीनगर, गोरखपुर, देवरिया, बस्ती, संत कबीर नगर और बलरामपुर सहित 8 जिलों में 100 से 150 मिमी तक अति भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा मऊ, बलिया, आजमगढ़, गाजीपुर, जौनपुर और वाराणसी समेत 11 जिलों में श्ऑरेंज अलर्टश तथा प्रयागराज, अयोध्या और गोंडा सहित 11 जिलों में श्येलो अलर्टश जारी किया गया है। मध्य यूपी के जिलों में मध्यम से हल्की बारिश होगी, जबकि पश्चिमी यूपी के अधिकांश 24 जिलों में बहुत हल्की या न के बराबर वर्षा की संभावना है।

प्रशासन ने भारी बारिश से होने वाले जलभराव और फसलों के नुकसान की आशंका को देखते हुए एडवाइजरी जारी की है। किसानों से अपील की गई है कि वे इन तीन दिनों के दौरान खेतों में फसलों की कटाई और मड़ाई का कार्य पूरी तरह रोक दें। आम नागरिकों को आंधी–तूफान के समय बिजली के खंभों, पेड़ों और कच्चे मकानों से दूर रहने की सलाह दी गई है। इस मौसमी बदलाव के कारण तापमान में गिरावट आने से प्रदेश में ठंड का असर भी बढ़ जाएगा।

कर्मचारी अगर ठान ले तो बच सकता है परिवहन निगम : जसवंत सिंह

लखनऊ,संवाददाता। यू पी रोडवेज इम्प्लाइज यूनियन लखनऊ क्षेत्र के बहादुर साथियों आपने कर्मचारियों की ताकत को यूपी रोडवेज इम्प्लाइज यूनियन की ताकत को लखनऊ क्षेत्र में दिखाया। यूपी रोडवेज यूनियन के संयोजक जसवंत सिंह ने कहा कि आपने पूरे प्रदेश के कर्मचारियों को यह भी दिखाया कि कर्मचारी अगर ठान ले तो परिवहन निगम को बचा सकता है। लेकिन कुछ प्रश्न मुझे परेशान करते है कि क्या परिवहन निगम बचेगा तो क्या केवल इंप्लाइज यूनियन के लोगो को फायदा होगा या सभी को मैंने देखा लोग कैसे किनारा करते रहे आलमबाग में प्रबंधन के लोग हाथ बांधे खड़े रहे ,क्यों सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सहयोग में नहीं उतरे इस मुहिम में हमारे संगठन की क्षेत्रीय एवं डिपो इकाइयों ने पूरी ताकत जोख दी। क्या परिवहन निगम केवल हमारा है क्या केवल हमारा विरोध करते हो इन लोगों का यह विरोध हमारा नहीं परिवहन निगम और निगम के कर्मचारियों का विरोध है इनको संविदा के कर्मचारियों खास करके संविदा चालकों परिचालको का है ऐसा नहीं करना चाहिए , लेकिन हमारा यह कार्य लगातार जारी रहेगा यूनियन सदैव लड़ती रही है आगे भी लड़ाई जारी रहेगी। जसवंत सिंह ने कहा कि लखनऊ छेत्र के संयोजक मिशम जैदी, सहसंयोजक नीरज चतुर्वेदी और उनकी समस्त टीम ,डिपो शाखा को भी धन्यवाद दूंगा साथ ही क्षेत्रीय प्रबंधक लखनऊ क्षेत्र विमल राजन और सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक अवध डिपो का भी धन्यवाद करूंगा।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक लखनऊ में 30 को

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को राजधानी के डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय में होगी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित होगी। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक का उद्घाटन केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह करेंगे। बैठक के समापन सत्र को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संबोधित करेंगे। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में पार्टी के प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद विनोद तावड़े, प्रदेश सह–प्रभारी जगदीश पटेल, श्रीमती मेधा कुलकर्णी, अनंत ओझा, प्रदीप वर्मा, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य एवं बृजेश पाठक, प्रदेश महामंत्री धर्मपाल सिंह सहित पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। प्रदेश कार्यसमिति की बैठक से पूर्व कल पार्टी के प्रदेश मुख्यालय पर प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की जाएगी। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी की अध्यक्षता एवं प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में प्रारम्भ होगी। प्रदेश पदाधिकारी बैठक मे प्रदेश कार्यसमिति की बैठक के एजेंडे, प्रमुख विषयों एवं आवश्यक तैयारियों पर चर्चा कर उन्हें अंतिम रूप दिया जाएगा।

सहारा पीड़ितों का संपूर्ण भुगतान के लिए इको गार्डन में अनिश्चितकालीन धरना

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

लखनऊ। सहारा इंडिया के पीड़ित जमाकर्ताओं के संपूर्ण भुगतान की मांग को लेकर श्ऑल इंडिया जन आंदोलन सहारा संघर्ष न्याय मोर्चाश के नेतृत्व में लखनऊ के इको गार्डन पार्क में अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन जारी है। आंदोलन का नेतृत्व मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय देव शुक्ला और राष्ट्रीय प्रभारी सतीश चन्द्र चतुर्वेदी कर रहे हैं।

मोर्चा का आरोप है कि सहारा रिफंड पोर्टल की धीमी गति और क्यू शॉप सहित विभिन्न कंपनियों में फंसी धनराशि न मिलने से जमाकर्ता भारी आर्थिक संकट में हैं। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की है कि सभी लंबित दावों का पारदर्शी व समयबद्ध निस्तारण किया जाए। वहीं, सीतापुर के जिलाध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा ने पीड़ित जमाकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में इको गार्डन पहुंचकर शांतिपूर्ण तरीके से अपने अधिकारों की आवाज उठाने की अपील की है। मोर्चा ने संकल्प लिया है कि संपूर्ण भुगतान होने तक यह संघर्ष जारी रहेगा।

शिक्षा सेवा चयन आयोग, सम्बद्ध प्राइमरी सहायक अध्यापक भर्ती में विशेष शिक्षा डिप्लोमा व बीएलएड भी शामिल

लखनऊ/प्रयागराज,संवाददाता। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत प्राथमिक शहरी तथा माध्यमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों के सम्बद्ध प्राइमरी प्राभग में सहायक अध्यापक पद पर भर्ती की निर्धारित शैक्षिक अर्हताओं में महत्वपूर्ण संशोधन किया गया है। उच्च न्यायालय, इलाहाबाद के आदेश तथा शासन के अनुमोदन के क्रम में अब सम्बद्ध प्राइमरी सहायक अध्यापक पद हेतु विशेष शिक्षा में डिप्लोमा तथा बी.एल.एड. उपाधिधारकों को भी औपचारिक रूप से शामिल कर लिया गया है। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने जानकारी देते हुए बताया है कि उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा याचिका संख्या में 24 अक्टूबर 2026 को पारित आदेश एवं उत्तर प्रदेश शासन के माध्यमिक शिक्षा के पत्र के अनुपालन में यह निर्णय लिया गया है। इसके तहत सहायक अध्यापक सम्बद्ध प्राइमरी पद की मान्य अर्हताओं में भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा अनुमोदित विशेष शिक्षा में द्विवर्षीय डिप्लोमा विशेष शिक्षा तथा 4 वर्षीय प्रारम्भिक शिक्षा शास्त्र में स्नातक नामक दो योग्यताओं को सम्मिलित किया गया है।आयोग के उप सचिव संजय कुमार सिंह ने बताया कि अर्हताओं के विस्तार के फलस्वरूप इन दोनों योग्यताओं के आधार पर आवेदन करने वाले इच्छुक अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए आवेदन की तिथियों को आगे बढ़ाया गया है। अभ्यर्थियों को अपने भरे हुए ऑनलाइन आवेदन–पत्र में त्रुटि सुधार/संशोधन करने के लिए 7 नवम्बर तक का अवसर प्रदान किया गया है।

स्वास्थ्य परियोजनाओं में देरी बर्दाश्त नहीं, समय पर पूरा करें कार्य: ब्रजेश पाठक

उप मुख्यमंत्री ने की वाराणसी मंडल की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा

निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज का निर्माण जल्द पूरा करने के निर्देश

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

वाराणसी/लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने बुधवार को जनपद वाराणसी में वाराणसी मंडल (वाराणसी, चंदौली, गाजीपुर एवं जौनपुर) के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ मंडल स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में मंडल एवं जनपद स्तर पर स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति, विभागीय योजनाओं की प्रगति, निर्माणाधीन परियोजनाओं तथा चिकित्सा सेवाओं की उपलब्धता की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को स्वास्थ्य सेवाओं में और सुधार लाने और निर्माण कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के स्पष्ट निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विशेष रूप से वाराणसी में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्य को अविलंब पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी परियोजना की नियमित निगरानी करें अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए तथा कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि आमजन को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं उच्चस्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रदेश सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति की नियमित निगरानी करें, निर्धारित लक्ष्यों को समय से पूरा करें तथा स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़ी व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाएं। बैठक में अपर निदेशक (स्वास्थ्य) वाराणसी मंडल डॉ० दिग्विजय सिंह, मुख्य चिकित्सा अधिकारीगण, मुख्य चिकित्सा अधीक्षकगण एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन ने बांटी स्वच्छता किट

संवाददाता

लखनऊ। रक्षा मंत्री एवं लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह की प्रेरणा से इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन की ओर से बुधवार को फैजुल्लागंज के बाढ़ प्रभावित परिवारों को स्वच्छता किट वितरित की गई। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा, क्षेत्रीय विधायक डॉ. नीरज बोरा और रक्षा मंत्री के विशेष कार्याधिकारी के.पी. सिंह सहित फेडरेशन के कई पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधान परिषद सदस्य मुकेश शर्मा ने कहा कि बाढ़ के दौरान घरों में फंसे लोगों तक राशन और राहत सामग्री पहुंचाना बड़ी चुनौती थी।

विधायक डॉ. नीरज बोरा ने कहा कि फैजुल्लागंज में बाढ़ के दौरान हालात बेहद चुनौतीपूर्ण थे। कई गलियों में पानी इतना भर गया था कि नाव के सहारे आवागमन करना पड़ा। राजनाथ सिंह के निर्देशन में राहत एवं बचाव के कार्य बहुत ही तेजी के साथ किया जा रहे थे। उनके विशेष कार्याधिकारी के.पी. सिंह जी पिछले एक माह से लखनऊ में डेरा जमाए हुए हैं। डॉ बोरा ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का आभार जताते हुए कहा कि क्षेत्र में लगभग साढ़े पांच किलोमीटर लंबे पक्के पुल से आईआईएम तक तटबंध की स्वीकृति से यहां के लोगों को बाढ़ जैसी विभीषिका का अब भविष्य में दोबारा सामना नहीं करना पड़ेगा। कार्यक्रम में इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन के प्रदेश महामंत्री डॉ अजय गुप्ता,डॉ अनिल गुप्ता, जिला अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमरनाथ अग्रवाल, युवा इकाई जनपद अध्यक्ष प्रियांक गुप्ता, लखनऊ महामंत्री अभय गुप्ता, युवा इकाई प्रदेश महामंत्री आशीष गुप्ता, विनय गुप्ता, शैलेंद्र स्वर्णकार, पार्षद रामू कनौजिया पूर्व पार्षद प्रदीप शुक्ला,रामशरण सिंह, प्रमोद चतुर्वेदी, संतोष मिश्रा सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

माटीकला महोत्सव का शुभारंभ, परंपरागत शिल्प को आधुनिक तकनीक और रोजगार से जोड़ने पर जोर

☐ खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री ने किया शुभारंभ
☐ 48 हजार से अधिक कारीगर परिवार चिन्हित, 18,432 विद्युत चालित चाक वितरित

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की समृद्ध माटीकला परंपरा को नया आयाम देने और इससे जुड़े कारीगरों को रोजगार एवं उद्यमिता के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को खादी भवन में माटीकला महोत्सव–2026 का शुभारंभ किया गया। हथकरघा एवं वस्त्रोद्योग, खादी एवं ग्रामोद्योग मंत्री राकेश सचान ने फीता काटकर महोत्सव का शुभारंभ किया और इस बार पिछली बिक्री का रिकॉर्ड टूटने की संभावना भी जताई। महोत्सव के अवसर पर पांच कारीगरों को निःशुल्क विद्युत चालित चाक, दो कारीगरों को पगमिल मशीन तथा मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के एक लाभार्थी को बैंक ऋण का चेक वितरित किया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पारंपरिक शिल्प को आधुनिक तकनीक, कौशल प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और बाजार से जोड़ने पर विशेष जोर दे रही है। माटीकला महोत्सव इसी प्रयास का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो कारीगरों को प्रोत्साहित करने के साथ उनके उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने का अवसर प्रदान करता है।श्री सचान ने कहा कि मिट्टी के दीये, खिलौने, मूर्तियां, बर्तन और अन्य कलात्मक उत्पाद भारतीय संस्कृति एवं परंपरा का अभिन्न हिस्सा रहे हैं। बदलती जीवनशैली के बीच इन उत्पादों को फिर से लोकप्रिय बनाने और इनसे जुड़े कारीगरों की आजीविका मजबूत करने की दिशा में सरकार की ओर से विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही है। माटीकला क्षेत्र को संगठित रूप से प्रोत्साहित करने के लिए 19 जुलाई, 2018 को उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड का गठन किया गया था। बोर्ड के माध्यम से अब तक प्रदेश में 48,048 कारीगर परिवारों को चिन्हित किया जा चुका है। कारीगरों को कच्चे माल की उपलब्धता के लिए 39,468 माटीकला कारीगरों को मिट्टी निकासी के पट्टे भी आवंटित किए गए हैं।कारीगरों को आधुनिक उपकरण उपलब्ध कराने की दिशा में अब तक 18,432 विद्युत चालित चाक वितरित किए जा चुके हैं।

वित्तीय वर्ष 2026–27 में 2,740 अतिरिक्त विद्युत चालित चाक वितरित करने का लक्ष्य है। इसी प्रकार मिट्टी गूथने की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए 675 पगमिल मशीनें वितरित की गई हैं, जबकि चालू वित्तीय वर्ष में 300 और मशीनें वितरित करने की योजना है। मूर्तियों के निर्माण के लिए 603 जोड़ी पीओपी डाई, पेंटिंग के लिए 31 मशीनें और दीये बनाने के लिए 81 मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। आधुनिक उपकरणों से उत्पादन प्रक्रिया को अधिक सुविधाजनक बनाने और कारीगरों को बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करने में मदद मिल सकती है।योगी सरकार की मुख्यमंत्री माटीकला रोजगार योजना के माध्यम से पारंपरिक कारीगरों को स्वरोजगार और उद्यमिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। योजना के अंतर्गत पिछले सात वर्षों में 1,333 लाभार्थियों को ऋण स्वीकृत कराकर माटीकला इकाइयां स्थापित कराई गई हैं। वित्तीय वर्ष 2026–27 में मार्च 2027 तक 300 अतिरिक्त इकाइयां स्थापित कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कारीगरों के कौशल विकास के लिए भी व्यापक स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए हैं। पिछले सात वर्षों में 18,432 लाभार्थियों को आधुनिक उपकरण संचालन का तकनीकी प्रशिक्षण, 1,333 लाभार्थियों को उद्यम संचालन का प्रशिक्षण और 7,836 लाभार्थियों को शिल्पकारी का प्रशिक्षण दिया गया है।

संतों की वाणी समाज में जगाती है समरसता : ओम बिरला

लखनऊ,संवाददाता। संतों की वाणी समाज में समरसता, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को मजबूत करती है। संत कबीर साहब की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक हैं और समाज को समानता एवं विवेक का संदेश देती हैं। यह बात लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को लखीमपुर खीरी में संत असंगदेव महाराज के 60वें अवतरण दिवस पर आयोजित कबीर महोत्सव एवं कबीर स्मृति भवन के भूमि पूजन समारोह में कही। उन्होंने कबीर स्मृति भवन का शिलान्यास कर संत परंपरा के सामाजिक एवं आध्यात्मिक योगदान की सराहना की।लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि संत कबीर साहब ने अपनी निर्भीक वाणी के माध्यम से सामाजिक कुरीतियों, पाखंड और जातिगत भेदभाव पर प्रहार किया।

उनकी शिक्षाएं समानता, विवेक और मानवीय मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा देती हैं। लोकतंत्र में विचारों की भिन्नता स्वाभाविक है, लेकिन सहमति और असहमति दोनों का सम्मान जरूरी है। कबीर की वाणी संयम, मर्यादा और विवेक के साथ अपनी बात रखने का संदेश देती है।उन्होंने संत असंगदेव के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि संतों का सान्निध्य व्यक्ति को नैतिकता और संयम के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। गांव–गांव तक कबीर साहब के विचारों और जीवन दर्शन को पहुंचाने का कार्य समाज में सकारात्मक बदलाव का आधार है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से विकास के पथ पर आगे बढ़ रहा है।

केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार सबका साथ, सबका विकास के संकल्प के साथ बिना भेदभाव जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचा रही है। 2014 से पहले के भारत और 2017 से पहले के उत्तर प्रदेश की तुलना में आज विकास और सुशासन की तस्वीर बदली है।उन्होंने कहा कि आजादी के 100 वर्ष पूरे होने पर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य है। देश प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है और आने वाले वर्षों में वैश्विक स्तर पर अपनी मजबूत पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने विकास और जनकल्याण के संकल्प को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। प्रदेश में कानून–व्यवस्था को मजबूत बनाने और अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई का उल्लेख किया। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह कहा कि सरकारी जमीन, नाली और पोखरों पर कब्जा करने के बजाय बच्चों की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य पर ध्यान देना चाहिए।

समारोह में प्रदेश सरकार के मंत्री एवं प्रभारी मंत्री नितिन अग्रवाल, पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्र टेनी, विधायक योगेश वर्मा, विनोद शंकर अवस्थी, शशांक वर्मा, अमन गिरि, रोमी साहनी, भाजपा जिलाध्यक्ष अरविंद गुप्ता सहित विभिन्न राज्यों से आए संत–महात्मा और बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

संपादकीय

स्रोत हो सुरक्षित

पत्रकारिता के पेशे में मीडियाकर्मी का नैतिक दायित्व होता है कि वह किसी खोजपूर्ण खबर में सहायक स्रोत की सुरक्षा और विश्वास को कायम रख सके। अपने गोपनीय स्रोत की सुरक्षा का वायदा सुनिश्चित करना महज एक पेशेवर शिष्टाचार नहीं है, सही मायने में यह खोजी पत्रकारिता की बुनियाद भी है। यदि जनहित के लिए महत्वपूर्ण गोपनीय सूचना देने वाले का भरोसा खत्म होगा तो भ्रष्टाचार और जन–विरोधी कार्यों में लिप्त लोगों के गलत कार्यों का खुलासा करने वाले लोग आगे नहीं आएंगे। यानी व्हिसलब्लोअर किसी गंभीर कदाचार आदि के मुद्दे पर चुप्पी साध सकते हैं। यदि सूचना स्रोत की गोपनीयता भंग होती है, तो गलत कामों के वास्तविक तथ्य कभी भी सामने नहीं आ पाएंगे। बहुत संभव है कि किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में लोकतंत्र के हित में, जनता को जानने योग्य जरूरी जानकारी से वंचित होना पड़ सकता है। इस विषय के महत्व की गंभीरता के चलते ही देश के सर्वोच्च न्यायालय में देश के 'डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट' यानी डीपीडीपी को चुनौती दी गई। जिसने इस महत्वपूर्ण मुद्दे को सार्वजनिक विमर्श में ला दिया है। यही वजह है कि डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन ने चेताया है कि इस कानून के प्रावधान किसी मीडियाकर्मी के गोपनीय स्रोतों को सार्वजनिक कर सकते हैं। जो स्वतंत्र समाचार संग्रहण और इस बाबत जांच–पड़ताल में बाधक साबित हो सकते हैं। इस समस्या का चिंताजनक पहलू यह भी कि सरकार के पास नागरिकों की निजी सूचना एकत्र करने वाली संस्थाओं से जानकारी हासिल करने के अधिकार हैं। जिससे उन लोगों की पहचान उजागर हो सकती है जो भरोसे के चलते ही पत्रकारों के पास आते हैं। निश्चय ही किसी लोकतांत्रिक व्यवस्था में ऐसी बंदिशें लादने से मीडिया की स्वतंत्रता पर आंच आ सकती है। सुप्रीम कोर्ट में इस संदर्भ में दायर याचिका पर सुनवाई के बाद, कोर्ट ने केंद्र सरकार से इस बाबत जवाब मांगा है। उल्लेखनीय है कि कोर्ट ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 17 नवंबर तय की है। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि आज की तेजी से डिजिटल होती दुनिया में निजता की सुरक्षा बनाये रखना बहुत आवश्यक है। निस्संदेह, नागरिकों को उनकी निजी जानकारी का दुरुपयोग होने से बचाया जाना बेहद जरूरी है। साथ ही यह भी जरूरी है कि निजता की सुरक्षा के लिये बनाया गया कोई कानून प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सत्ताधीशों के लिये ऐसा जरिया नहीं बन जाना चाहिए, जो तथ्यों की तलाश व जांच–पड़ताल में बाधक बने। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि शासन–प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार, सत्ता के दुरुपयोग और कॉर्पोरेट में होने वाली गड़बड़ियों की पड़ताल अकसर ऐसे लोगों पर निर्भर करती है, जो बड़े निजी जोखिम को उठाकर भी वास्तविक तथ्य देश व समाज हित में बताने को राजी होते हैं। ऐसे में यदि पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना उनकी पहचान उजागर हो जाती है तो पत्रकारिता की विश्वसनीयता पर इसका व्यापक प्रतिकूल असर पड़ सकता है। फिर जोखिम उठाकर सूचना देने वाले लोग, ऐसा करने से कतराने लगते हैं। इससे जुड़ा एक वास्तविक पहलू यह भी है कि अपने स्रोत की सुरक्षा का अधिकार पत्रकारों को बिना किसी जवाबदेही के काम करने की छूट नहीं देता है। लेकिन यदि कोई अपवाद सामने आता है तो उसे स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाना चाहिए। उसका सार्वजनिक होना बेहद जरूरी है। वहीं उसकी स्वतंत्र न्यायिक निगरानी होनी चाहिए। ऐसे में न्यूजरूम के रिकॉर्ड तक बिना किसी रोक–टोक के पहुंच होने से, स्रोत की सुरक्षा और जनता के जानने के अधिकार को नुकसान पहुंच सकता है। देश की शीर्ष अदालत से उम्मीद की जाती है कि बहुत सावधानी से निजता और प्रेस की आजादी के बीच संतुलन बनाया जाए। यदि वास्तविक पत्रकारिता के कार्यों के लिये स्पष्ट छूट दी जाती है, और साथ ही गोपनीय स्रोत के उजागर होने से रोकने के लिये सुरक्षा उपाय भी हों, तो इससे यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कानून जनहित से जुड़ी रिपोर्टिंग में बाधा न बनेगा।

ब्यूटी और रील कॉम्पिटिशन, व्रत बाय डिफॉल्ट

मोहल्ले की दूसरी महिलाओं के ब्यूटी टिप्स हासिल करने के लिए उनकी कामवाली बाई को सीक्रेट एजेंट बनाने की मशक्कत करनी पड़ेगी। पैसा भी खर्च करना पड़ेगा। 'सुनते हो! ब्यूटी कॉम्पिटिशन में बस एक दिन रह गया है और अभी बहुत–सी तैयारियां बाकी हैं।' पत्नी ने हड़बड़ाहट में पति से कहा। पति बोला, 'सुनते हो या नहीं, कहने की राजशाही छूट वाले पति अब कहां रहे?'आज के दौर में तो पतियों के पास लाचारी का एकमात्र विकल्प हैकृ'सब कुछ पूरा सुनना।'थोड़ी चुप्पी के बाद पति मधुर स्वर में बोला, 'भाग्यवान, ये भी तो बताओ कि व्रत के बीच में ब्यूटी कॉम्पिटिशन कहां से आ गया?'धर्मपत्नी बोली, 'अरे, मैं करवाचौथ का आधुनिक नाम ले रही थी। सच कहूं तो ब्यूटी भी क्या, यह तो मेकअप कॉम्पिटिशन है। पिछले कई वर्षों तक इस आधुनिक नाम का अर्थ नहीं समझ पाई, इसलिए पिछड़ गई।'पत्नी जी आगे फरमाती हैं, 'करवाचौथ पर पति की लंबी उम्र की कामना तो बाय डिफॉल्ट, यानी विवाह–दर्शन का हिस्सा होनी ही है। यह तो भारतीय संस्कारों में है। ऑटोमेटिक पायलट का बटन भारतीय पत्नियों के हृदयतल में करवाचौथ आते ही अपने आप दब जाता है। मुश्किल है मोहल्ले की औरतों के बीच ब्यूटी कॉम्पिटिशन जीतना। इसका कोई बटन नहीं है।' पति ने कहा, 'तुम्हारी तो जीत पक्की है।' पत्नी बोली, 'हैं–हैं! जीत पक्की... आए कहीं के! पिछली कई प्रतियोगिताएं हार चुकी हूं। उधर, हर साल मुकाबला बढ़ता ही जा रहा है। 'मेकअप पैकेज' को लेकर मोहल्ले की महिलाओं में शीतयुद्ध चल रहा है। तुम्हें क्या मालूम! खबर है कि शहर में करवाचौथ स्पेशल मेकअप के लिए 50 हजार रुपये की एडवांस बुकिंग हो चुकी है। मजबूत मेकअप की कीमत तुम क्या जानो, पति बाबू!' पत्नी कुछ देर रुकी, फिर बोली, 'एक काम कर लो। करवाचौथ पर मेरे मिसेज कॉलोनी की सौंदर्य प्रतियोगिता जीतने की कामना करते हुए एक व्रत तुम भी रख लो। इस दिन तुम और तो कुछ कर नहीं सकते। तुम्हारे यूपीआई और क्रेडिट कार्ड तक पर मेरा ही कब्जा है। पेमेंट भी तुम्हें नहीं करनी है!' पति ने कहा, 'हां, रख लेता हूं जी।'पति ने मन ही मन सोचा कि शायद इसके साथ ही शोले ठंडे पड़ जाएं। लेकिन पत्नी फिर धधकती हुई बोली, 'खाली तुम्हारे व्रत रखने से यह सौंदर्य प्रतियोगिता नहीं जीत जाऊंगी। मोहल्ले की दूसरी महिलाओं के ब्यूटी टिप्स हासिल करने के लिए उनकी कामवाली बाई को सीक्रेट एजेंट बनाने की मशक्कत करनी पड़ेगी। पैसा भी खर्च करना पड़ेगा।'पति ने कहा, 'भाग्यवान, सुंदर चेहरे के साथ कितना सुंदर दिमाग भी पाया है!' पत्नी फिर धधकी, 'छोड़ो ये चोंचले! आइडिया दे नहीं सकते, बस मक्खन लगा रहे हैं।'आखिर में एक काम कर दोकृचांद निकलने के वक्त मेरी रील अच्छी बनवा देना। पिछली बार तुम्हारे चक्कर में रील खराब हो गई थी और तीन बार आरती उतारनी पड़ी थी। और हां, गाना वही लगाना 'गंगा मैया में जब तक के पानी रहे, मेरे सजना, तेरी जिंदगानी रहे।'

त्यौहार के समय जरूरी चीजों की बढ़ती कीमतें परिवारों के बजट पर भारी

कल्याणी शंकर

त्यौहारी मौसम के दौरान आने वाली ये आर्थिक चुनौतियां उन छोटे व्यवसायों को प्रभावित कर सकती हैं, जो पूरी तरह से अपनी बिक्री पर निर्भर हैं। बढ़ती कीमतें मुनाफे के मार्जिन को कम कर सकती हैं, लेकिन ये हाथ से बनी वस्तुओं के महत्व को भी उजागर करती हैं। अनोखे और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद पेश करके, स्थानीय विक्रेता उन ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं जो असली और पारंपरिक चीजों की तलाश में हैं। भारत में त्यौहार एक महत्वपूर्ण परम्परा है, सिर्फ जश्न मनाने का मौका नहीं। इसलिए इस दौरान परिवार नए कपड़े, मिठाइयां, सजावट के सामान और उपहार खरीदने पर काफी पैसा खर्च करते हैं। हालांकि, बढ़ती कीमतें और महंगाई उपभोक्ताओं को अपना बजट और खरीदारी के तरीके बदलने पर मजबूर कर रही हैं। कई परिवार अब त्यौहारों को छोटे स्तर पर मना रहे हैं और सस्ती चीजें तलाश रहे हैं। मौसम के अनिश्चित मिजाज के कारण प्याज, लहसुन और अदरक जैसी जरूरी खाद्य वस्तुओं की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ रही हैं और भारतीय रुपया कमजोर हो रहा है। इससे परिवहन और खनिज तेल की लागत बढ़ गई है। थोक बाजार में खनिज तेल की कीमतें पिछले साल के मुकाबले करीब 40 प्रतिशत तक बढ़ गई हैं। कोर महंगाई दर बढ़कर 4.6 प्रतिशत हो गई है, जिसका असर खाने–पीने की चीजों, ईंधन, सेवाओं और अन्य सामानों की कीमतों पर पड़ रहा है। महंगाई को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने के लिए सिर्फ मौद्रिक नीति काफी नहीं है। इसके लिए समन्वित राजकोषीय उपायों की भी जरूरत है। इसमें नकदी प्रवाह का प्रबंधन, करों में बदलाव, और कृषि तथा आपूर्ति श्रृंखला में सुधार जैसे कदम शामिल हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति ने रेपोरेट में 25 बेसिस पॉइंट्स की बढ़ोतरी करके इसे 5.50 प्रतिशत कर दिया है। लगभग चार वर्षों में यह पहली बार है जब दरों में बढ़ोतरी की गई है। नीतिगत रुख को कड़ा से बदल कर नरपेक्ष करने का मतलब है कि निकट भविष्य में दरों में कटौती की संभावना कम है। मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष और कमजोर मानसून के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ी हैं, जिससे महंगाई को लेकर चिंताएं और गहरी हो गई हैं। नतीजतन, अगले एक साल में दरों में 100 बेसिस पॉइंट्स से ज्यादा की और बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। सितंबर में थोक महंगाई दर अगस्त के 9.92 प्रतिशत से बढ़कर 11.39प्रतिशत हो गई, जिसका मुख्य कारण तेल की कीमतों में 57.32 प्रतिशत की भारी वृद्धि थी। आरबीआई प्रमुख संजय मल्होत्रा ने कहा कि भविष्य में दरों में बढ़ोतरी आर्थिक विकास और महंगाई के रुझानों पर निर्भर करेगी। अब बड़ा सवाल यह है कि सितंबर में आपूर्तिकर्ताओं द्वारा स्वीकार की गई कीमतों में बढ़ोतरी का, उपभोक्ताओं के लिए कीमतों और बिजली के बिलों पर कितना असर पड़ेगा?

त्यौहारी मौसम के दौरान आने वाली ये आर्थिक चुनौतियां उन छोटे व्यवसायों को प्रभावित कर सकती हैं, जो पूरी तरह से अपनी बिक्री पर निर्भर हैं। बढ़ती कीमतें मुनाफे के मार्जिन को कम कर सकती हैं, लेकिन ये हाथ से बनी वस्तुओं के महत्व को भी उजागर करती हैं। अनोखे और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद पेश करके, स्थानीय विक्रेता उन ग्राहकों को आकर्षित कर सकते हैं जो असली और पारंपरिक चीजों की तलाश में हैं। वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की समस्याओं और घरेलू नीतियों ने भारत में महंगाई पर काफी असर डाला है। सितंबर 2023 में, भारतीय रिजर्व बैंक ने उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 6.2 प्रतिशत बताई, जो इसके 2–6प्रतिशत के लक्ष्य दायरे से अधिक है। यह वृद्धि मुख्य रूप से भोजन, ईंधन और आवश्यक वस्तुओं की ऊंची कीमतों के कारण हुई है, जिसमें खाद्य महंगाई दर लगभग 7.8 प्रतिशत रही है।

हाल ही में उठाए गए कदमों में खाना पकाने की गैस और अनाज जैसी आवश्यक वस्तुओं पर टैक्स में कटौती और सब्सिडी देना शामिल है। भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने त्यौहारी मौसम से पहले आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और महंगाई को कम करने के लिए खरीद के प्रयासों को तेज कर दिया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 2026–27 के लिए 7.1 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर का अनुमान लगाया है, जिसमें खुदरा महंगाई दर 5.2 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। हालांकि, साल की आखिरी तिमाही (अक्टूबर से दिसंबर) में महंगाई बढ़कर 6 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। आरबीआई प्रमुख ने जोर देकर कहा कि भले ही अर्थव्यवस्था मजबूत है, लेकिन बढ़ती महंगाई अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है। खुदरा विक्रेता इन आर्थिक रुझानों के अनुसार खुद को ढाल रहे हैं। वे आवश्यक वस्तुओं पर बंडल डील और छूट देकर ग्राहकों को पैसे की सही कीमत देने पर जोर दे रहे हैं। इस रणनीति से मध्यम श्रेणी के उत्पादों की बिक्री में 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि विलासितापूर्ण वस्तुओं की मांग में कमी आई है। स्थानीय बाजार और कारीगर इन आर्थिक चुनौतियों के बीच खुद को ढाल रहे हैं। उनके लिए त्यौहार का समय उनकी सालाना कमाई का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा होता है। इंस्टाग्राम और पिनटेरेस्ट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ऐसे सुझावों से भरे पड़े हैं, जो इस दौरान लोगों को रचनात्मकता और संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए प्रोत्साहित करते हैं। सरकार ने खाना पकाने की गैस और अनाज जैसी जरूरी चीजों पर टैक्स में कटौती और सब्सिडी लागू की है। भारतीय खाद्य निगम ने भी आपूर्ति को लगातार बनाए रखने के लिए खरीद के प्रयासों को बढ़ाया है। इन उपायों का उद्देश्य त्यौहारी मौसम के करीब आते ही महंगाई को नियंत्रित करना है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने ग्राहकों को कीमतों के रुझानों के बारे में जागरूक करने और खरीदारी के लिए दिशा–निर्देश देने के लिए अभियान शुरू किए हैं, ताकि आर्थिक चुनौतियां त्यौहारों की खुशियों पर भारी न पड़ें। शिपिंग में रुकावटों, उर्वरकों की ऊंची लागत और श्अलनीनोश के प्रभावों के कारण 2027 तक वैश्विक खाद्य महंगाई बढ़ने की आशंका है। इंडोनेशियाई चावल और भारतीय चीनी की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं, और मिस्र में ब्रेड की कीमतों में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। स्टॉक में कमी और आयात बढ़ने के कारण कीमतों में और उछाल आने का अनुमान है। अपनी ताजा रिपोर्ट में, आरबीआई ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच महंगाई दर में अंतर को रेखांकित किया है, जिसमें ग्रामीण इलाकों में महंगाई अधिक देखी गई है। इन समस्याओं से निपटने के लिए, सब्जियों जैसी जल्दी खराब होने वाली वस्तुओं के भंडारण, प्रसंस्करण और वितरण के बुनियादी ढांचे में सुधार करना जरूरी है।

महंगाई पर नियंत्रण और आर्थिक विकास की चुनौती

अरुण कुमार डनायक

अर्थव्यवस्था की चर्चा होते ही महंगाई, ब्याज दर, जीडीपी, राजकोषीय घाटा और आर्थिक विकास जैसे शब्द सामने आने लगते हैं। सरकार और रिजर्व बैंक अपनी राजकोषीय व मौद्रिक नीतियों के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों और महंगाई को प्रभावित करते हैं। इन निर्णयों का आम नागरिक पर क्या प्रभाव पड़ता है? महंगाई बढ़ने पर ब्याज दरें क्यों बढ़ाई जाती हैं और क्या केवल मौद्रिक उपायों से महंगाई नियंत्रित हो सकती है? ये प्रश्न आर्थिक नीतियों के आकलन में सहायक हैं। अर्थव्यवस्था किसानों, श्रमिकों, उद्यमियों, व्यापारियों और निवेशकों के निर्णयों से संचालित होती है। लोग कितना खर्च, बचत और निवेश करेंगे तथा सरकार किन क्षेत्रों पर व्यय करेगी, इन सबका प्रभाव आर्थिक गतिविधियों पर पड़ता है। सरकार और केंद्रीय बैंक की नीतियों का उद्देश्य महंगाई पर नियंत्रण, निवेश और रोजगार को प्रोत्साहन तथा टिकाऊ विकास सुनिश्चित करना है। महंगाई का अर्थ वस्तुओं और सेवाओं के सामान्य मूल्य स्तर में लगातार वृद्धि होना है। जब खाद्य सामग्री और रोजमर्रा की वस्तुओं तथा सेवाओं की कीमतें आमदनी की तुलना में तेजी से बढ़ती हैं, तो लोगों की वास्तविक क्रयशक्ति घट जाती है। महंगाई की दर में गिरावट का अर्थ कीमतों का कम होना नहीं, बल्कि उनके बढ़ने की गति धीमी पड़ना हैय इसलिए इससे आम लोगों को वास्तविक राहत मिलना जरूरी नहीं है। महंगाई कई कारणों से बढ़ सकती है। कभी बढ़ती मांग कीमतों पर दबाव डालती है, तो कभी पेट्रोलियम, ऊर्जा, परिवहन, मजदूरी और कच्चे माल की बढ़ती लागत उत्पादन को महंगा बना देती है। सूखा, बाढ़, युद्ध और वैश्विक आपूर्ति व्यवधान भी कीमतें बढ़ा सकते हैं। इसलिए महंगाई को किसी एक कारण या केवल सरकारी नीतियों का परिणाम मानना उचित नहीं है। महंगाई का प्रसार तब चिंता का विषय बनता है, जब मूल्य–वृद्धि कुछ वस्तुओं तक सीमित न रहकर अर्थव्यवस्था के व्यापक हिस्से में फैलने लगती है। महंगाई के प्रभाव को समझने के लिए अर्थशास्त्री उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के माध्यम से विभिन्न वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में होने वाले बदलाव का आकलन करते हैं।

महंगाई को नियंत्रित करने में भारतीय रिजर्व बैंक की केंद्रीय भूमिका होती है। उसका प्रमुख साधन रेपो दर है, जिसके माध्यम से वह बैंकों के लिए धन की लागत को प्रभावित करता है। रेपो दर बढ़ने पर व्यक्तिगत ऋणों की ईएमआई बढ़ सकती है और कारोबार के लिए ऋण महंगा हो सकता है।

इससे परिवारों और कंपनियों के खर्च तथा निवेश में कमी आ सकती है, जिससे महंगाई नियंत्रित करने में मदद मिलती है। ब्याज दरों का प्रभाव सभी पर एक समान और तत्काल नहीं पड़ता। ऋण महंगा होने से मांग घट सकती है, जबकि बचत और सावधि जमा पर मिलने वाला प्रतिफल बढ़ सकता है।

फिर भी यदि महंगाई का प्रमुख कारण तेल, खाद्यान्न या अन्य वस्तुओं की आपूर्ति में कमी हो, तो केवल ब्याज दरें बढ़ाना पर्याप्त नहीं होता। ऐसी स्थिति में अत्यधिक सख्ती निवेश, रोजगार और आर्थिक विकास को भी प्रभावित कर सकती है। रेपो दर के अलावा आरबीआई नकद आरक्षित अनुपात के माध्यम से बैंकों की जमा का वह हिस्सा निर्धारित करता है, जिसे नकदी के रूप में रखना अनिवार्य है। वैधानिक तरलता अनुपात के तहत बैंकों को जमा का एक निर्धारित हिस्सा नकदी, सोने और सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में रखना होता है। खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों की खरीद–बिक्री से भी आरबीआई बैंकिंग प्रणाली में धन और ऋण प्रवाह को प्रभावित करता है। वह विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप कर रुपये की अस्थिरता कम करने का प्रयास भी करता है, हालांकि इससे वैश्विक तेल कीमतों या बाहरी आपूर्ति संकटों को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। मौद्रिक नीति की सफलता इस बात पर भी निर्भर करती है कि लोग और व्यवसाय भविष्य को कैसे देखते हैं। यदि उन्हें लगातार महंगाई बढ़ने की आशंका हो, तो वे अपने खर्च, वेतन और मूल्य निर्धारण संबंधी निर्णय उसी अनुसार लेने लगते हैं, जिससे महंगाई और बढ़ सकती है। इसके विपरीत, स्थिर कीमतों का विश्वास आर्थिक व्यवहार को संतुलित बनाता है। इसलिए रिजर्व बैंक के लिए स्पष्ट संवाद और नीतिगत विश्वसनीयता भी ब्याज दरों जितनी ही महत्वपूर्ण है। आर्थिक सुस्ती के दौर में सरकार सार्वजनिक व्यय बढ़ाकर रोजगार, आय और मांग को प्रोत्साहन दे सकती है। इसके विपरीत, व्यापक महंगाई की स्थिति में वह करों, सरकारी व्यय और सब्सिडी में बदलाव करके मांग तथा कीमतों के दबाव को संतुलित करने का प्रयास करती है। आयकर में राहत से लोगों की उपलब्ध आय बढ़ सकती है, जबकि जीएसटी में कटौती से वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में कमी आ सकती है। हालांकि, इन उपायों का वास्तविक लाभ इस बात पर निर्भर करता है कि राहत किस सीमा तक उपभोक्ताओं तक पहुंचती है। साथ ही, करों में कटौती से सरकारी राजस्व घट सकता है, इसलिए सरकार को आम लोगों को राहत देने और राजकोषीय घाटे को नियंत्रित रखने के बीच संतुलन बनाए रखना पड़ता है। सरकारी खर्च विकास और जनकल्याण को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण साधन है। बुनियादी ढांचे, कृषि, कौशल विकास और स्वास्थ्य पर निवेश से उत्पादकता, रोजगार और दीर्घकालीन विकास को बढ़ावा मिल सकता है। वहीं, कमजोर तबकों तक सामाजिक सहायता समय पर और पारदर्शी ढंग से पहुंचने से उनकी आर्थिक सुरक्षा मजबूत होती है। महंगाई से निपटने के लिए सरकार अल्पकाल में आपूर्ति सुधारने हेतु सार्वजनिक भंडार से अनाज जारी करने, आयात सुगम बनाने, जमाखोरी पर रोक लगाने और राज्यों के साथ समन्वय जैसे कदम उठा सकती है। वहीं, दीर्घकाल में सिंचाई, भंडारण, शीतगृह, खाद्य प्रसंस्करण और आपूर्ति शृंखला में निवेश से उत्पादन और उपलब्धता बढ़ाकर मूल्य दबाव को स्थायी रूप से कम किया जा सकता है। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देश में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों और रुपये के मूल्य में उतार–चढ़ाव से आयात लागत तथा महंगाई प्रभावित होती है। इस निर्भरता को कम करने के लिए ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देना और निर्यात क्षमता को मजबूत करना आवश्यक है। आर्थिक नीतियों की प्रभावशीलता के लिए सरकार, रिजर्व बैंक और वाणिज्यिक बैंकों के बीच समन्वय तथा कारोबारियों का विश्वास महत्वपूर्ण है। वाणिज्यिक बैंक जमा और ऋण नीतियों के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों को प्रभावित करते हैं। श्जीएसटी व्यवस्था को सरल बनाने, दंडात्मक प्रावधानों में उचित नरमी बरतने और कर अनुपालन को अधिक पारदर्शी बनाने जैसे कदम कारोबारी गतिविधियों को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

स्वतंत्र पत्रकारिता के लिए एक और चुनौती

मोदी सरकार के 12 वर्षों में भारत में प्रेस की आजादी काफी ज्यादा खतरे में पड़ चुकी है। कार्पोरेट पूंजी ने स्वतंत्र पत्रकारिता पर कई तरह की बेड़ियां लगा ही दी हैं, ऊपर से सरकार के रवैये ने भी निर्भीक, स्वतंत्र और जिम्मेदार पत्रकारिता को काफी नुकसान पहुंचाया है। सरकार ने निजता की सुरक्षा के नाम पर जो डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण का कानून बनाया है, वह भी अब पत्रकारिता की राह में बड़ा रोड़ा बन रहा है। इस बाधा को दूर करने के लिए डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन (डीएनपीए) ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। डीएनपीए की याचिका पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। गौरतलब है कि डीएनपीए के माध्यम से 21 समाचार प्रकाशकों ने कानून के प्रावधानों को चुनौती दी है। जिनमें वे मीडिया संस्थान भी शामिल हैं, जिनके मालिकाना हक गौतम अडानी और मुकेश अंबानी के पास हैं। मंगलवार को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची तथा जस्टिस वी. मोहना की पीठ ने डीएनपीए की याचिका पर सुनवाई की और केंद्र सरकार से याचिका पर जवाब मांगा है। अदालत ने मामले को आगे की सुनवाई के लिए 17 नवंबर की तारीख दी है। हालांकि केंद्र सरकार को नोटिस जारी होने का अर्थ यह नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट ने कानून को असंवैधानिक घोषित कर दिया है। कानून की वैधता और उसके प्रावधानों पर अंतिम निर्णय होना बाकी है और यहीं सारा पेंच फंसा हुआ है। क्योंकि अगर अदालत का फैसला कानून निरस्त करने या इसमें प्रावधानों में संशोधनों वाला हुआ, तब तो खोजी पत्रकारिता के लिए उम्मीद बची रहेगी। वर्ना फिर बड़े घोटालों की पोल खोलने वाली खबरें बनाने का जोखिम भरा काम शायद ही हो पाए। ध्यान रहे कि डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 भारत का पहला व्यापक डेटा संरक्षण कानून है, जिसे 11 अगस्त 2023 को राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली थी। इस कानून का मकसद नागरिकों के डिजिटल व्यक्तिगत डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा को सुनिश्चित करना तथा डेटा के वैध उपयोग के बीच संतुलन बनाना। केंद्र सरकार ने इससे संबंधित डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण नियम, 2025, पिछले साल 14 नवंबर को अधिसूचित किए हैं। नियमों का उल्लंघन करने या डेटा सुरक्षा में चूक होने पर श्डेटा प्रोटेक्शन बोर्डश्य द्वारा 250 करोड़ रुपये तक का भारी जुर्माना लगाया जा सकता है। तकनीकी विकास के इस वक्त में डेटा लीक होने और व्यक्तिगत जानकारियां गलत हाथों में पड़ने के खतरे वाकई बहुत बढ़ चुके हैं। इस लिहाज से निजता की सुरक्षा के प्रावधान करने में कोई हर्ज नहीं है। लेकिन इसकी आड़ में गलत बातों पर पर्दा डालने और उन खबरों को बाहर आने से रोकने की चालाकी हो, तो फिर सवाल उठने जायज हैं। मीडिया संगठनों का कहना है कि इस कानून के प्रावधान खोजी पत्रकारिता को बाधित कर सकते हैं, सूचना पाने के मौलिक अधिकार को प्रभावित कर सकते हैं और पत्रकारों के गोपनीय सूत्रों की पहचान उजागर होने का खतरा पैदा कर सकते हैं।

मीडिया संगठनों की चिंता है कि व्यक्तिगत डिजिटल डेटा की सुरक्षा के लिए बनाए गए नियम यदि पत्रकारिता पर भी उसी तरह लागू होते हैं, तो भ्रष्टाचार, कॉरपोरेट अनियमितताओं, चुनावी गड़बड़ियों और सरकारी कामकाज की जांच करना मुश्किल हो सकता है। डीएनपीए की दलील है कि कानून के नोटिस और सहमति से जुड़े प्रावधानों को पत्रकारिता पर लागू करने से ऐसी स्थिति पैदा हो सकती है, जिसमें किसी व्यक्ति के बारे में उसकी निजी जानकारी जुटाने या उसकी गतिविधियों की जांच करने से पहले पत्रकारों को उसे सूचना देनी पड़े या उसकी सहमति लेनी पड़े। इसे आसान शब्दों में ऐसे समझ सकते हैं कि अगर किसी व्यक्ति पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं या कोई खोजी पत्रकार किसी के भ्रष्ट कामों का पता लगा भी ले, तो भी उसे उजागर करने से पहले उसे संबंधित व्यक्ति को ही सूचना देनी होगी। और जाहिर है कि उसके बाद वह उस खबर को शायद ही सामने ला पाए, क्योंकि फिर उस खोजी पत्रकार पर व्यक्तिगत डेटा मिटाने के अधिकार का इस्तेमाल खबर को दबाने या उनमें बदलाव कराने की मांग के लिए किया जा सकता है। मीडिया समूहों की आपत्ति का मूल सवाल यह है कि व्यक्तिगत निजता की रक्षा और स्वतंत्र पत्रकारिता के बीच संतुलन कैसे बनाया जाए। उनका कहना है कि निजता की सुरक्षा जरूरी है, लेकिन ऐसे नियमों से पत्रकारों की जनहित में जानकारी जुटाने और प्रकाशित करने की क्षमता प्रभावित नहीं होनी चाहिए। रिपोर्टों के मुताबिक, मीडिया कंपनियों के प्रतिनिधियों और सरकार के बीच अगस्त में हुई बैठक में प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा को लेकर आश्वासन दिया गया था। लेकिन डीएनपीए का कहना है कि पत्रकारों के लिए कानून में स्पष्ट लिखित छूट नहीं होने से उसकी चिंताएं दूर नहीं हुई हैं। एसोसिएशन ने इस मुद्दे को केवल तकनीकी या डेटा प्रबंधन से जुड़ा विवाद नहीं माना है। उसके मुताबिक, कानून के कुछ प्रावधानों का असर यह हो सकता है कि समाचार संस्थान जनहित से जुड़े मामलों की जांच और रिपोर्टिंग करते समय कानूनी कार्रवाई या आर्थिक दंड के जोखिम से बचने के लिए जरूरी खबरें प्रकाशित करने से पीछे हटें। बहरहाल, अब गेंद सुप्रीम कोर्ट के पाले में है, जहां से भारत में स्वतंत्र पत्रकारिता के बने और बचे रहने का रास्ता तय हो सकता है। क्योंकि सरकार के हित में तो यही है कि चाटुकार पत्रकार उसके कार्यकर्ता की तरह काम करते रहें। लेकिन यह देशहित में कतई नहीं है। अच्छी बात यह है कि जिन मीडिया संस्थानों पर सरकार के लिए काम करने के आरोप लगते रहे हैं, उनमें से भी कुछ इस कानून के प्रावधानों पर सवाल उठा रहे हैं।

मतगणना स्थल पर सपा कैंप हटाने को लेकर अधिकारियों और कार्यकर्ताओं के बीच हुई बहस

वाराणसी,संवाददाता। पहड़िया मंडी मतगणना स्थल के मुख्य द्वार के सामने सड़क पार समाजवादी पार्टी ने एक बाउंड्रीवाल के भीतर टेंट लगाकर अस्थायी कैंप बनाया है। यहां पहुंचे वाराणसी कमिश्नरेट के तीन जोन के डीसीपी और अपर आयुक्त ने चंदौली के सपा सांसद वीरेंद्र सिंह से कैंप को मतगणना स्थल से 100 मीटर दूर हटाने को कहा। इस दौरान वहां मौजूद सपा कार्यकर्ताओं ने अधिकारियों की बात पर सवाल उठाए। सपा नेताओं का कहना था कि 24 घंटे से अधिक समय बीत चुका है। एक प्रत्याशी जीत भी चुका है और दूसरे प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित है। ऐसे में प्रशासन जानबूझकर मामले को नया रूप दे रहा है। अधिकारियों ने सांसद वीरेंद्र सिंह से जल्द से जल्द टेंट हटाने को कहा। उनका कहना था कि टेंट मतगणना स्थल के 100 मीटर के दायरे में आता है। इस बीच अस्थायी कैंप के पास बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। सांसद वीरेंद्र सिंह ने अधिकारियों से पूछा कि क्या कार्यकर्ताओं को यहां से हटाने के लिए कोई निर्देश मिला है। उन्होंने कहा कि अब थोड़ी देर की ही बात है और परिणाम आने के बाद सभी अपने-अपने घर चले जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सपा कार्यकर्ता कानून-व्यवस्था का पालन करेंगे। डीसीपी वरुणा राजेश कुमार पांडेय और अपर आयुक्त आलोक वर्मा ने फिर 100 मीटर के दायरे का हवाला देते हुए चेतावनी दी कि मंडी के मुख्य द्वार के आसपास पार्टी का कोई वाहन या कार्यकर्ता खड़ा नहीं होना चाहिए। इसके बाद अधिकारी टेंट से बाहर आ गए। अधिकारियों के जाने के बाद भी टेंट के भीतर और बाहर बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता डटे रहे। मौके पर डीसीपी वरुणा राजेश पांडेय, डीसीपी काशी गौरव बंसवाल, डीसीपी गोमती जोन नीतू कादयान, एसीपी कैंट प्रज्ञा पाठक और अपर आयुक्त आलोक वर्मा समेत भारी पुलिस बल मौजूद रहा। चंदौली सांसद वीरेंद्र सिंह ने आरोप लगाते हुए बताया कि हमारा एक प्रत्याशी जीत चुका है दूसरा प्रत्याशी जीतने वाला है, इसलिए प्रशासन अब बेईमानी का रास्ता खोज रहा है। हम लोगों को यहां टेंट के नीचे बैठे 24 घंटे से ऊपर का समय हो गया, 24 घंटे पूर्व कोई भी हम लोगों को रोकने नहीं आया। अब परिणाम आने को है तो प्रशासन परेशान कर रहा है।

मनियापार मोहरा में 186 पशुओं का उपचार

देवरिया। बरहज विकास खंड के मनियापार मोहरा गांव में उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार के नेतृत्व में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य मेले का आयोजन हुआ। जिला पंचायत सदस्य अखंड प्रताप सिंह और ग्राम प्रधान ने गौ-पूजन कर मेले का शुभारंभ किया। पशुधन प्रसार अधिकारी अशोक कुमार पांडेय ने पशुपालकों को टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, पशुधन बीमा और सहभागिता योजना की जानकारी दी। मेले में 186 पशुओं का निःशुल्क उपचार कर दवाएं वितरित की गईं। पशुओं को प्राथमिक चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, बांझपन उपचार और कृत्रिम गर्भाधान की सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गईं। साथ ही कृमिनाशक दवाएं और पोषक तत्व वितरित किए गए। इस दौरान प्रबोध कुमार सिंह, बृजेश कुशवाहा, राम कुमार पांडेय, संजीव यादव, राजेश यादव सहित अन्य पैरावेट मौजूद रहे।

विधायक ने जनसुनवाई कर अधिकारियों को दिए निर्देश

बस्ती,संवाददाता। हर्रैया विधानसभा क्षेत्र के विधायक अजय सिंह ने अपने लजघटा आवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने क्षेत्र के लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को तुरंत समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान विधानसभा क्षेत्र के अलग-अलग इलाकों से सैकड़ों लोग, कार्यकर्ता और ग्राम प्रधान विधायक से मिलने पहुंचे। उन्होंने सड़क, पानी, बिजली, पेंशन, आवास, राजस्व और पुलिस से जुड़ी अपनी परेशानियां बताईं। विधायक अजय सिंह ने सभी बातों को ध्यान से सुना। उन्होंने मौके पर ही कुछ समस्याओं को हल किया और बाकी के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को फोन पर जल्द कार्रवाई करने को कहा।

आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

बस्ती,संवाददाता। लालगंज के थालापार गांव में जन्मेजय की मौत पर ग्रामीणों ने सड़क पर प्रदर्शन किया, जहां मृतक की मां थानाध्यक्ष की गाड़ी के सामने लेटकर आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने इस मामले में तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। विवाद बाइक और ठेले की टक्कर के बाद हुआ था। आरोप है कि विवाद के दौरान 36 वर्षीय जन्मेजय के सिर पर कुदाल से हमला किया गया, जिससे वह गंभीर घायल हो गए। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल ले जाने से करीब आधे घंटे रोका गया। ग्रामीणों की मदद से जन्मेजय को बनकटी स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। गंभीर हालत में उन्हें कैली और फिर गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया।

नौ दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण कथा में सातवें दिन श्रद्धालु जुटे

अमेठी,संवाददाता। मुंशीगंज के हालापुर सरायखेमा गांव में चंद्रिका प्रसाद पाठक के यहां नौ दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण कथा चल रही है। बुधवार को कथा के सातवें दिन श्रद्धालु जुटे। कथा व्यास आचार्य कौशल किशोर मिश्र ने शिव-पार्वती विवाह का प्रसंग सुनाया। आचार्य कौशल किशोर मिश्र ने कहा कि भगवान का स्मरण जीव की मुक्ति और मोक्ष का मार्ग है। उन्होंने समुद्र मंथन से निकले विष को भगवान शिव के कंठ में धारण करने का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि संसार के कल्याण के लिए विषपान कर भगवान शिव ने त्याग और परोपकार का संदेश दिया। राजा परीक्षित के प्रसंग का जिक्र करते हुए आचार्य ने कहा कि भगवान के नाम का गुणगान और कथा सुनने से आध्यात्मिक शांति मिलती है। इससे मनुष्य मोक्ष के मार्ग की ओर बढ़ता है। उन्होंने कहा कि जीवात्मा और परमात्मा का मिलन ही महारास है। आचार्य ने कहा कि मनुष्य को अपने आराध्य का स्मरण करने के साथ माता-पिता की सेवा और सम्मान करना चाहिए। उनके अनुसार, माता-पिता की सेवा से परिवार में सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। कथा के दौरान भगवान शिव और माता पार्वती की झांकी निकाली गई। धार्मिक प्रसंगों और भजनों के बाद भगवान की आरती हुई और श्रद्धालुओं को प्रसाद बांटा गया।

पुलिस ने दो युवकों को चरस के साथ पकड़ा

बहराइच,संवाददाता। फखरपुर पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके पास से 354 ग्राम चरस, दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन और 1,490 रुपए बरामद किए। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक, बुधवार 28 अक्टूबर को थानाध्यक्ष रामकुमार राजभर के नेतृत्व में टीम इलाके में जांच कर रही थी। गायघाट संपर्क मार्ग के मोड़ के पास दो युवक मिले। तलाशी में उनके पास चरस मिली, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों की पहचान इशरार खान (24), पुत्र मुन्नी खान उर्फ कादिर खान, निवासी ग्राम मझगऊवां कंजीकला, थाना मोतीपुर, जिला बहराइच और नियाजुद्दीन (23), पुत्र अली जान उर्फ डगरू, निवासी ग्राम

मझगऊवां कंजीकला, थाना मोतीपुर, जिला बहराइच के रूप में की है। इस मामले में थाना फखरपुर में मुकदमा नंबर 445/26 दर्ज किया गया है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धारा 8ए21 के तहत कार्रवाई की है। फखरपुर पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री करने वालों में सख्त संदेश गया है। थानाध्यक्ष रामकुमार राजभर के नेतृत्व में पुलिस टीम की सक्रियता और तत्परता सराहनीय है। ऐसे अभियान से अपराध पर अंकुश लगाने और क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिलती है। पुलिस के मुताबिक, कार्रवाई पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर हुई। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) आयुष विक्रम सिंह और क्षेत्राधिकारी कैसरगंज धीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव की निगरानी में टीम ने कार्रवाई की।

पेंशन योजनाओं से वंचित पात्र लोगों को लाभ दिलाने के लिए आज लगेगा कल्याणकारी शिविर

देवरिया। जिला समाज कल्याण अधिकारी सुधीर पाण्डेय ने बताया कि सोशल सेक्टर की बैठक में जिलाधिकारी द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में गुरुवार को प्रातः 10 बजे से तहसील परिसर सलेमपुर में कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर के माध्यम से तहसील सलेमपुर की उन ग्राम पंचायतों में पेंशन योजनाओं से वंचित पात्र व्यक्तियों को लाभान्वित किया जाएगा, जहां पेंशन लाभार्थियों की संख्या सबसे कम है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शिविर स्थल पर निर्धारित समय से विभागीय स्टॉल लगाए जाएं तथा योजनाओं से संबंधित फ्लेक्सी बैनर के माध्यम से प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

30 अक्टूबर को जारी होगी पीएम किसान की 24वीं किस्त

देवरिया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त 30 अक्टूबर को जारी की जाएगी। जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने बताया कि प्रधानमंत्री गुजरात के बनासकांठा से किस्त जारी करेंगे। इस अवसर पर जिले की ग्राम पंचायतों, विकास खंडों, तहसीलों, जिला मुख्यालय और कृषि विज्ञान केंद्रों पर पीएम किसान उत्सव दिवस मनाया जाएगा। डीएम ने अधिकारियों को अधिकाधिक किसानों की सहभागिता सुनिश्चित करने, पात्र किसानों का पंजीकरण कराने और योजना संबंधी शिकायतों का निस्तारण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार और आवश्यक व्यवस्थाएं समय से पूरी करने को भी कहा है। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण पीएम इंडिया वेबकास्ट पर देखा जा सकेगा।

दो एसआई बने निरीक्षक, एसपी ने स्टार लगाकर दी बधाई

अमेठी,संवाददाता। जिले में दो एसआई को निरीक्षक पद पर पदोन्नति मिली है। पुलिस अधीक्षक सरवणन टी. और अपर पुलिस अधीक्षक ज्ञानेन्द्र कुमार सिंह ने दोनों पुलिसकर्मियों को स्टार लगाकर बधाई दी। पदोन्नति पाने वालों में अमेठी थाने के एसआई विष्णुकान्त शुक्ल और मुसाफिरखाना थाने के उपनिरीक्षक श्रवण कुमार शामिल हैं। दोनों को निरीक्षक पद पर पदोन्नत होने के बाद अधिकारियों ने सम्मानित किया। एसपी सरवणन टी. ने कहा कि पदोन्नति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। उन्होंने दोनों नए निरीक्षकों को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से काम करने की सलाह दी।

भाजपाइयों ने पर्यवेक्षक प्रांजल यादव पर लगाया धांधली का आरोप

वाराणसी,संवाददाता। स्नातक एमएलसी चुनाव के दौरान शाम को पहड़िया मंडी के बाहर हंगामा उस समय शुरू हो गया जब सपा और भाजपा कार्यकर्ताओं में कहासुनी शुरू हो गई। इसके बाद आरोप है कि भाजपा कार्यकर्ताओं की भीड़ काउंटिंग स्थल की ओर बैरिकेडिंग पार कर बढ़ने का प्रयास करने लगी तो पुलिस बल ने सभी को रोक दिया। इसके बाद मौके पर सभी सड़क पर ही बैठकर प्रदर्शन करने लगे। बैरिकेडिंग पर कुछ भाजपा कार्यकर्ताओं ने चढ़ने की कोशिश की तो पुलिस ने सभी को वहां से हटाते हुए बैरिकेड से दूर कर दिया। इसके बाद आक्रोशित कार्यकर्ता मौके पर प्रदर्शन करते हुए पर्यवेक्षक प्रांजल यादव और अखिलेश यादव के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। आरोप लगाया कि सपा के पक्ष में भीतर काम हो रहा है। भाजपा को हराने के लिए पर्यवेक्षक काम कर रहे हैं। इसके बाद नारेबाजी और प्रदर्शन का दौर शुरू हुआ जो देर शाम तक जारी रहा। वहीं सुरक्षा कारणों से मौके पर पुलिस फोर्स भी बुला ली गई है। सभी को स्थल से 100 की दूर करने की हिदायत जारी की गई है। वहीं इस बाबत भाजपा नेता जेपी सिंह ने आरोप लगाते हुए बताया कि मतगणना स्थल पर जब काउंटिंग शुरू हुई उसे वक्त हमारी पार्टी के एजेंट वहां मौजूद नहीं थे।

ट्रक ने 2 महिलाओं को कुचला, मौत, सड़क पार करते समय हादसा

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। कासना थाना क्षेत्र में मंगलवार रात तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से सड़क पार कर रहीं दो महिलाओं की मौत हो गई। हादसा कासना यूपीसीडा कंपनी कट के सामने चौराहे पर हुआ। टक्कर मारने के बाद चालक ट्रक लेकर सिरसा की तरफ भाग निकला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायल महिलाओं को अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आगे जाकर ट्रक को रोककर कब्जे में लिया और चालक को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, हादसे में बदायूं जिले के जरीफनगर थाना क्षेत्र के दहगवां गांव निवासी मनीषा (45) और हिम्मतपुर गांव निवासी विमलेश (43) गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। दोनों को तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। दोनों महिलाएं एक निजी कंपनी में कार्य करती थीं। हादसे की सूचना मिलते ही कासना कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक की तलाश शुरू की। पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लेकर चालक को हिरासत में ले लिया है। दोनों महिलाओं के शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

बांदा-टांडा हाईवे पर अज्ञात वाहन की टक्कर

बांदा,संवाददाता। बांदा-टांडा नेशनल हाईवे पर तिंदवारी थाना क्षेत्र के बेंदा जौहरपुर गांव के पास एक सड़क हादसा हो गया। इसमें बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्राम अमली कौर निवासी पुनीत वर्मा (19) पुत्र राममूरत और उत्तम वर्मा (24) पुत्र शिवमूरत बाइक से तिंदवारी जा रहे थे। उसरा नाला पुल के पास बांदा की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से जख्मी हो गए। बाइक भी बुरी तरह टूट गई। पूर्व प्रधान विवेक सिंह को घटना की जानकारी मिली तो वे तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस को सूचना दी और अपने वाहन से दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिंदवारी में भर्ती कराया। अस्पताल में शुरुआती इलाज के बाद, परिजनों के आने पर घायलों को उनके हवाले कर दिया गया।

भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी ने गांव-गांव सदस्यता अभियान चलाया

बस्ती,संवाददाता। साउघाट ग्राम पंचायत तेलियाडीह गांव में भीम आर्मी आजाद समाज पार्टी की बैठक हुई। इस दौरान पार्टी का गठन करने और बूथों को मजबूत करने पर चर्चा की गई। बैठक में नए सदस्यों को पार्टी की सदस्यता भी दिलाई गई। पार्टी ने आने वाले विधानसभा चुनाव में रुदौली 309 से डॉ. मोहम्मद आकिब को भारी मतों से जिताने का संकल्प लिया। मुख्य जिला प्रभारी नासिर अली खान ने कहा कि पार्टी को मजबूत करना है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष भाईचारा कमेटी मूलचंद आजाद, राहुल कुमार, विवेक कुमार और मनोज कुमार समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एमएलसी चुनाव में सपा प्रत्याशी की जीत पर जश्न

आगरा,संवाददाता। आगरा शिक्षक एमएलसी चुनाव में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी डॉ. आकाश अग्रवाल की जीत के बाद फिरोजाबाद में पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। उन्होंने ढोल-नगाड़े बजाए और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर बधाई दी। इस दौरान सपा नेता सुखेंद्र चौधरी ने कहा कि यह जीत 2027 में सपा सरकार बनने का संकेत है। कार्यक्रम में पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में पूर्व जिला महासचिव सुरेंद्र चौधरी, विधानसभा अध्यक्ष रईस पाल चाहर, किरावली नगर अध्यक्ष सुलेमान अहमद, दिनेश चौधरी, विधानसभा महासचिव देवेंद्र शर्मा, जिला अल्पसंख्यक सचिव सिद्दी कुरैशी, राष्ट्रीय सचिव अल्पसंख्यक गुड्डू कुरैशी, विधानसभा उपाध्यक्ष रूप किशोर शर्मा और रईस कुरैशी शामिल हुए।

स्थानीय व्यापारियों ने अंडरपास बनाने की मांग की

आगरा,संवाददाता। शाहगंज में रुई की मंडी और बारहखंभा रेलवे फाटक पर जाम से परेशान स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने अंडरपास बनाने की मांग की। उन्होंने अर्जुन नगर से निकलने के लिए अंडरपास बनाने का सुझाव दिया। स्थानीय लोगोंऔर व्यापारियों ने आगरा मंडल के रेल प्रबंधक गगन गोयल को ज्ञापन सौंपा। गगन गोयल ने कहा कि सांसद से औपचारिक प्रस्ताव मिलने पर रेलवे अंडरपास बनाने की तकनीकी जांच कराएगा। निर्माण संभव होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि सड़क निर्माण के लिए रेलवे ने पीडब्ल्यूडी को चेक जारी कर दिया है। तीन से चार दिन में काम शुरू होने की उम्मीद है। रेलवे फाटकों पर जाम रोकने के लिए गार्ड की मुस्तैदी भी सुनिश्चित की जाएगी। ज्ञापन देने वालों में रुई की मंडी व्यापार कमेटी के अध्यक्ष कृष्ण कुमार जग्गी, सुनील करमचंदानी, हेमंत भोजवानी, घनश्याम मुलानी, दीपू असरानी, सोनू मदनानी, जाजन सोनी, कन्हैया सोनी, गागू भाई, दीपक कुमार, आकाश और भोजराज लालवानी शामिल थे।

जनता की जमा-पूंजी पर डाका! पीएनबी में 35 करोड़ की कथित हेराफेरी, मैनेजर समेत 5 कर्मचारी सस्पेंड

ग्रेटर नोएडा,संवाददाता। उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा में पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) की एक शाखा में खाताधारकों की रकम में कथित हेराफेरी का मामला सामने आया है। खाताधारकों ने बैंक में 35 करोड़ रुपये से अधिक की रकम के लेनदेन में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि उनके खातों से उनकी जानकारी और सहमति के बिना पैसे दूसरे खातों में ट्रांसफर किए गए। मामले की गंभीरता को देखते हुए बैंक प्रबंधन ने शाखा प्रबंधक समेत पांच कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। वहीं, पुलिस ने मामले में अभियोग पंजीकृत कर आगे की वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रकरण की जांच भ्रष्टाचार निरोधक विभाग की टीम भी कर रही है। पुलिस ने बुधवार को कार्रवाई संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि, बीटा दो थाना क्षेत्र में स्थित पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में खाताधारकों की रकम के लेनदेन को लेकर विवाद सामने आया। शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उनके बैंक खातों से बिना किसी पूर्व सूचना या अनुमति के रकम ट्रांसफर की गई। मामले में कथित अनधिकृत लेनदेन की जानकारी मिलने के बाद खाताधारकों में नाराजगी फैल गई। इसके बाद प्रभावित लोगों ने मामले को लेकर पुलिस से शिकायत की और पूरे प्रकरण की जांच कर कार्रवाई की मांग उठाई। बीटा दो क्षेत्र स्थित बैंक से जुड़े इस प्रकरण में अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। बैंक प्रबंधन ने भी खाताधारकों की शिकायतों के समाधान का भरोसा दिलाया है। वहीं, एंटी करप्शन टीम पूरे मामले की जांच कर रही है। जांच में कथित अनधिकृत ट्रांसफर, संबंधित बैंक खातों, लेनदेन के रिकॉर्ड और जिम्मेदार लोगों की भूमिका जैसे पहलुओं की पड़ताल महत्वपूर्ण होगी। इस मामले में 16 खाताधारकों ने बीटा दो थाना में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायतकर्ताओं ने बैंक खातों में 35 करोड़ रुपये से अधिक की कथित हेराफेरी का आरोप लगाया है। इतनी बड़ी रकम से जुड़े आरोप सामने आने के बाद मामला गंभीर हो गया है। हालांकि, कथित हेराफेरी की कुल रकम, किन खातों से कितनी राशि ट्रांसफर हुई और इस लेनदेन में किन लोगों की भूमिका रही, इन बिंदुओं पर जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। इस मामले के बाद बैंक प्रबंधन ने खाताधारकों की शिकायतों के समाधान का आश्वासन दिया है। साथ ही, प्रकरण के संबंध में शाखा प्रबंधक समेत कई कर्मचारियों को निलंबित किया गया है। बैंक की ओर से उठाए गए इस कदम को मामले की जांच और शिकायतों के निस्तारण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्रवाई माना जा रहा है। हालांकि, कर्मचारियों का निलंबन अपने आप में आरोपों की पुष्टि नहीं करता। मामले में जिम्मेदारी तय होना जांच के निष्कर्षों पर निर्भर करेगा। फिलहाल, खाताधारकों की निगाहें जांच के नतीजों और उनकी रकम के संबंध में होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

जसपुरा मंडी में खाद के लिए उमड़े किसानों की भीड़

बांदा,संवाददाता। जसपुरा में बुआई के सीजन में खाद की कमी से जूझ रहे किसानों को आज जसपुरा मंडी में राहत मिली। सोसाइटी कर्मचारियों की हड़ताल के कारण किसान परेशान थे, जिसके चलते मंडी में खाद लेने के लिए बड़ी संख्या में किसान पहुंचे। इस दौरान प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे। कार्यदाई संस्था ने किसानों को खाद उपलब्ध कराई, जिससे उन्हें बुआई के लिए जरूरी खाद मिल सकी। किसानों का कहना है कि समय पर खाद मिलना बुआई के काम के लिए बहुत जरूरी है।

सड़क हादसे में घायल होमगार्ड की इलाज के दौरान मौत

आगरा,संवाददाता। फतेहपुर सीकरी थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में घायल होमगार्ड की इलाज के दौरान मौत हो गई। वह 55 वर्ष के थे और फतेहपुर सीकरी थाने में तैनात थे। 20 अक्टूबर को ड्यूटी खत्म कर घर लौटते समय तेहरा गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल होने के बाद उन्हें पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से आगरा रेफर किया गया। इसके बाद परिजन उन्हें भरतपुर ले गए। हालत में सुधार नहीं होने पर बेहतर इलाज के लिए जयपुर रेफर किया गया, जहां 27 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। होमगार्ड मंडी मिर्जा खान के निवासी थे। 20 अक्टूबर को ड्यूटी समाप्त करने के बाद वह घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेहरा गांव के पास अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आईं। घायल होमगार्ड को पहले फतेहपुर सीकरी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से चिकित्सकों ने उन्हें आगरा रेफर कर दिया।

मतगणना स्थल से लौटे सपा नेता की हृदयाघात से मौत

वाराणसी,संवाददाता। सीर गोवर्धनपुर डाफी के रहने वाले सपा नेता राजेश यादव नत्थू की असमय मौत के बाद गांव में मातम छा गया। राजेश यादव सपा के जिला उपाध्यक्ष रहे। इनकी पत्नी काशी विद्यापीठ सेक्टर नंबर चार की जिलापंचायत सदस्य है। जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव लड़ने के कारण राजेश यादव नत्थू काफी चर्चा में रहे। स्वजन के अनुसार मंगलवार की शाम को किसी परिचित के साथ मतगणना स्थल गए थे। जहां वापस में रात में घर आने के बाद सुबह फिर मतगणना स्थल और फिर वहां से अखिलेश यादव के होने वाले कार्यक्रम स्थल पहुंचे। इसके बाद वहां से घर लौटते समय राजातालाब स्थित मित्र के होटल पर रुके। जहां चाय पीने के बाद अचानक तबियत खराब हुई। जिसके बाद उनके साथी भदवर स्थित हेरिटेज अस्पताल ले गए जहां से डॉक्टरों ने बीएचयू के लिए रेफर कर दिया। बीएचयू इमरजेंसी पहुंचने पर डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। अचानक घटना के कारण स्वजनों ने किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए पोस्टमार्टम की मांग की। जिसके बाद पुलिस ने शव को अंत्यपरीक्षण के लिए भेज दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक लंका राजकुमार शर्मा ने बताया कि बीएचयू से मेमो मिला था जिसके आधार पर जांच और पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

तिब्बत के पूर्व प्रधानमंत्री ने सारनाथ में की धमेख स्तूप की परिक्रमा

वाराणसी,संवाददाता। निर्वासित तिब्बती सरकार के पूर्व प्रधानमंत्री प्रो एस रिनपोछे ने बुधवार को सुबह भगवान बुद्ध की प्रथम उपदेश स्थली सारनाथ में धमेख स्तूप की परिक्रमा कर विश्व शांति के लिए प्रार्थना कर मंदिर में भगवान बुद्ध की पूजा किए। पूर्व प्रधानमंत्री प्रो एस रिनपोछे ने कहा कि शांति के मार्ग पर चल कर विश्व में मानवता स्थापित की जा सकती है। शांति से ही संसार व जीवन सुख मय हो सकता है। उसके पूर्व सुबह 9 बजे पुरातात्विक खंडहर परिसर में भगवान बुद्ध के आस्था का केंद्र धमेख स्तूप की परिक्रमा करने के बाद विश्व मंगलकामना के लिए पूजा की।

पति से विवाद में महिला ने खेत में फांसी लगाकर दी जान

उरई/जालौन,संवाददाता। जालौन के चुर्खी थाना क्षेत्र के जलालपुर गांव में मंगलवार शाम 60 वर्षीय महिला ने खेत में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, बाजार से लौटते समय पति के शराब पीने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद महिला खेत पर चली गई, जहां उसका शव नीम के पेड़ पर फंदे से लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान जलालपुर गांव निवासी पानकुंवर के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक, वह खेती-किसानी करके परिवार का भरण-पोषण करती थीं। हाल में बारिश के कारण खरीफ की फसल खराब हो गई थी, जिससे वह आर्थिक परेशानी और फसल के नुकसान को लेकर चिंतित थीं। जानकारी के अनुसार, मंगलवार को पानकुंवर अपने पति के साथ बाजार गई थीं। थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार के मुताबिक, बाजार से लौटते समय पति के शराब पीने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। इसके बाद महिला खेत पर चली गई। जब वह काफी देर तक घर नहीं लौटीं तो परिजन उनकी तलाश में खेत पहुंचे। वहां नीम के पेड़ पर उनका शव फंदे से लटका मिला। महिला की मौत की खबर से परिवार में कोहराम मच गया।

सोनी मैक्स लेकर आ रहा है वाईआरएफ की अल्फा का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, 31 अक्टूबर को रात 8 बजे

मुंबई, अक्टूबर,। सोनी मैक्स अपने फेस्टिव लाइन–अप में एक्शन का दमदार तड़का लगाने जा रहा है, यश राज फिल्म्स की अल्फा के वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर के साथ, जो 31 अक्टूबर को रात 8 बजे प्रसारित होगा। आलिया भट्ट और शरवरी अभिनीत यह फिल्म दो खतरनाक लड़कियों की ओरिजिन स्टोरी है, जो दर्शकों के लिए एक जबरदस्त एक्शन एंटरटेनर लेकर आती है।

शिव रवैल के निर्देशन में बनी इस फिल्म में बॉबी देओल और अनिल कपूर अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। वहीं, आलिया भट्ट एक ऐसे बिल्कुल नए अवतार में दिखाई देंगी, जिसमें वह एक ऐसी असैसिन की भूमिका निभा रही हैं, जिसे मारने की ट्रेनिंग देकर तैयार किया गया है। हाई–ऑक्टेन एक्शन, शानदार विजुअल्स और रोमांच से भरपूर अल्फा दो लड़कियों– आलिया और शरवरी के बेखौफ अल्फा अंदाज का जश्न मनाती है। यह फिल्म दर्शकों को एक रोमांचक और मनोरंजक अनुभव देने का वादा करती है। अपने भव्य पैमाने और दिलचस्प कहानी के साथ, अल्फा हर पीढ़ी के दर्शकों के लिए एक ब्लॉकबस्टर अनुभव लेकर आती है। इसका वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर सोनी मैक्स के फेस्टिव लाइन–अप में एक और शानदार पेशकश है, जो बेखौफ कहानियों और हाई–वोल्टेज मनोरंजन का जश्न मनाते हुए, इस सीजन के बड़े बॉलीवुड पलों की शुरुआत करता है।

आलिया भट्ट ने कहा, "सोनी मैक्स पर टेलीविजन प्रीमियर के साथ अल्फा अब दर्शकों तक एक नए अंदाज में पहुँचेगी। फिल्म के एक्शन, किरदारों और उनकी भावनात्मक यात्रा को पर्दे पर उतारने के लिए हमने बहुत सोच–विचार और मेहनत की है। इसलिए यह देखना बेहद खास है कि थिएटर के बाद अब यह सफर लोगों के घरों तक पहुँचेगा। त्यौहारों का मौसम फिल्मों को परिवार के साथ बिताए जाने वाले खास पलों का हिस्सा बनाने का एक खूबसूरत समय होता है। जिन्होंने अभी तक अल्फा नहीं देखी है, उनके लिए यह इसे अनुभव करने का मौका है, और जिन्होंने देखी है, उनके लिए इसे दोबारा देखने की एक वजह। एक कलाकार के तौर पर यह बहुत अच्छा लगता है जब आपकी फिल्म नए दर्शकों तक पहुँचती रहती है। मुझे खुशी है कि सोनी मैक्स के साथ अल्फा को अब ऐसा करने का मौका मिल रहा है।"

शरवरी ने कहा, "अल्फा मेरे लिए एक बेहद रोमांचक और खास सफर रही है, और अब इसे टेलीविजन पर आते देखना बहुत संतोषजनक है। हमने फिल्म के एक्शन, भावनाओं और इसकी दुनिया को पर्दे पर उतारने के लिए बहुत मेहनत की है। इसलिए यह जानना उत्साहजनक है कि अब यह एक नए तरीके से दर्शकों तक पहुँचेगी। त्यौहारों के मौसम में घर पर अल्फा जैसी फिल्म देखने की बात ही कुछ खास है, जहाँ इसके बड़े एक्शन सीक्वेंस और भावनात्मक पल परिवार के साथ साझा किए जा सकते हैं। सोनी मैक्स हमेशा से बड़ी और भव्य फिल्मों को दर्शकों के घरों तक पहुंचाने के लिए जाना जाता है, और मुझे बेहद खुशी है कि अल्फा भी इसका हिस्सा बन रही है। मुझे उम्मीद है कि जो दर्शक पहली बार यह फिल्म देखेंगे, उन्हें भी इसे देखने में उतना ही मजा आएगा, जितना हमें इसे बनाते समय आया था। वहीं, जो लोग इसे पहले देख चुके हैं, उन्हें इस बार भी फिल्म में कुछ नया और खास देखने को मिलेगा।"

देखना न भूलें अल्फा का वर्ल्ड टेलीविजन प्रीमियर, 31 अक्टूबर को रात 8 बजे, सिर्फ सोनी मैक्स पर।

जानें किस बीमारी में खाएं कौन सा फल, डाइट में शामिल करें ये फल

सेहतमंद रहने के लिए फलों को डाइट का जरूरी हिस्सा माना जाता है। इनमें विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। लेकिन अक्सर लोगों के मन में सवाल रहता है

कि किस तरह की परेशानी में कौन सा फल खाना फायदेमंद हो सकता है। अगर आपको बार–बार थकान, कब्ज या कमजोरी जैसी समस्या महसूस होती है तो अपनी डाइट में इन फलों को शामिल कर सकते हैं।

बार–बार सर्दी–जुकाम हो तो अमरूद

अगर आपको बार–बार सर्दी–जुकाम या संक्रमण की समस्या होती है तो डाइट में अमरूद शामिल करना अच्छा विकल्प हो सकता है।

अमरूद में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। विटामिन सी शरीर की सामान्य प्रतिरक्षा प्रणाली के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसे साबुत फल के रूप में खाना जूस की तुलना में बेहतर हो सकता है, क्योंकि इससे फाइबर भी मिलता है।

थकान महसूस हो तो अनार

अगर आपको अक्सर थकान या कमजोरी महसूस होती है तो अनार को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं। इसमें फोलेट, पोटैशियम और कई एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। हालांकि, केवल अनार खाने से एनीमिया दूर नहीं होता। अगर लगातार थकान, चक्कर या कमजोरी महसूस होती है तो हीमोग्लोबिन और आयरन की जांच के लिए डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी है।

कब्ज की समस्या में पपीता

पपीता पाचन के लिए फायदेमंद फलों में शामिल किया जाता है। इसमें फाइबर और पानी अच्छी मात्रा में होता है, जो नियमित बॉवेल मूवमेंट बनाए रखने में मदद कर सकता है। पपीते में पपेन नामक एंजाइम भी पाया जाता है। कब्ज होने पर पर्याप्त पानी पीने और फाइबर वाली डाइट के साथ पपीता शामिल किया जा सकता है। हालांकि, हर व्यक्ति में इसका असर अलग हो सकता है।

मांसपेशियों के लिए केला

केला पोटैशियम का अच्छा स्रोत है और इसमें कार्बोहाइड्रेट भी होते हैं। पोटैशियम शरीर में मांसपेशियों और नर्व फंक्शन के सामान्य कामकाज में भूमिका निभाता है। इसलिए एक्सरसाइज करने वाले लोग केले को स्नैक के तौर पर ले सकते हैं। हालांकि, पैरों में बार–बार ऐंठन होने की वजह सिर्फ पोटैशियम की कमी नहीं होती।

तुरंत एनर्जी के लिए खजूर

शाम के समय भूख लगने पर बिस्किट या बहुत ज्यादा प्रोसेस्ड स्नैक्स की जगह सीमित मात्रा में खजूर लिया जा सकता है। इसमें प्राकृतिक शुगर और कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा देने में मदद करते हैं। एक्सरसाइज से पहले भी 2–3 खजूर कुछ लोगों के लिए एक सुविधाजनक स्नैक हो सकते हैं। लेकिन खजूर में प्राकृतिक शुगर और कैलोरी भी होती है, इसलिए मात्रा का ध्यान रखना जरूरी है।

जॉन डो में सृष्टि के किरदार से उठा पर्दा, अर्जुन दास की फिल्म में बनेंगी दर्शना

डायरेक्टर मधुमिता की अपकमिंग साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म जॉन डो को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है। फिल्म में एक्टर अर्जुन दास लीड रोल में नजर आएंगे। अब मेकर्स ने एक्ट्रेस सृष्टि के किरदार का खुलासा किया है। वह फिल्म में दर्शना की भूमिका निभाएंगी। फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे प्रोडक्शन हाउस अर्का मीडिया वर्क्स ने सोशल मीडिया पर सृष्टि के किरदार की जानकारी शेयर की। मेकर्स ने पोस्ट में लिखा, दर्शना ने अपनी जिंदगी में बहुत कुछ खोया है, लेकिन इसके बावजूद वह अपने परिवार के लिए मजबूत बनी रहती है। लेकिन, जब घर में सन्नाटा होता है, तो वह खुद से सवाल पूछती है कि क्या वह अपने लिए काफी हैं? मिलिए जॉन डो की दुनिया की दर्शना से। बता दें कि फिल्म में अर्जुन दास चंद्रू नाम के किरदार में नजर आएंगे। एक्टर ने कुछ समय पहले फिल्म से अपना फर्स्ट लुक पोस्टर शेयर किया था। इसके साथ उन्होंने लिखा था, नान पोदुमा? (क्या मैं काफी हूं?) यह एक ऐसा सवाल है जो चंद्रू को परेशान करता है। अर्जुन ने बताया कि शायद यह सवाल हम सभी ने कभी न कभी खुद से पूछा होगा। चंद्रू के किरदार की तलाश के दौरान उन्हें भी अपने अंदर इस किरदार की कुछ झलक देखने को मिली। फिल्म में संचना नटराजन फीमेल लीड रोल में हैं। वहीं, जारा विनीट चंदोके और नीरव भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। जॉन डो को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी की एक बड़ी वजह यह भी है कि अर्जुन दास पहली बार अपने करियर में एक पुलिस अफसर का किरदार निभाते दिखाई देंगे।

क्या किसी बीमारी के कारण नींद में बोलते हैं लोग ? सांइस से समझिए पूरी बात

हम सोते समय बोलते क्यों हैं? हर कोई सोता है लेकिन नींद को लेकर बहुत कम लोग इसकी बारीकियों को समझते हैं। नींद मनोवैज्ञानिक के तौर पर काम करने वाले विशेषज्ञ के मुताबिक कई बार लोग अपने उस भाई–बहन के बारे में बताते हैं, जिसके साथ वे कमरा साझा करते हैं और जो पूरी रात नींद में बड़बड़ाता रहता है। कुछ लोग खुद भी दोस्तों के साथ रात बिताने के दौरान सोते–सोते पूरी, लेकिन एकतरफा बातचीत करने के बाद मजाक का पात्र बन चुके होते हैं। यह ऐसी घटनाएं होती हैं जिनमें नींद के दौरान शरीर कुछ गतिविधियां करता है या दिमाग कुछ अनुभवों से गुजरता है। इनमें बुरे सपने, नींद में चलना और नींद में बोलना शामिल हैं।

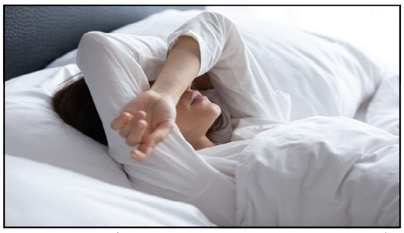

कई चरणों से गुजरती है नींद

इनमें से ज्यादातर आम और पूरी तरह हानिरहित होते हैं। इन्हें तभी विकार माना जाता है, जब ये इतनी बार हों कि व्यक्ति के लिए वास्तविक समस्या पैदा करने लगें। नींद एक ही अवस्था नहीं है। हर रात व्यक्ति नींद के कई चरणों से गुजरता है। करीब एक चौथाई नींद आरईएम यानी रैपिड आई मूवमेंट (आंखों की तेज गति) चरण में होती है। इसी दौरान ज्यादातर सपने, खासकर जीवंत सपने आते हैं। नॉन–आरईएम नींद, जिसमें गहरी नींद की अवस्थाएं भी शामिल हैं, रात की कुल नींद का करीब 75 से 80 प्रतिशत हिस्सा होती है। इस दौरान शरीर की गतिविधियां काफी धीमी हो जाती हैं, जिससे उसे आराम करने और खुद की मरम्मत करने का अवसर मिलता है। डॉक्टर इन सभी चरणों को मिलाकर स्लीप आर्किटेक्चर कहते हैं। ये चरण रात में लगभग हर 90 मिनट में चक्र के रूप में दोहराते हैं। सोने के तुरंत बाद नॉन–आरईएम नींद अधिक होती है, जबकि सुबह के शुरुआती घंटों में आरईएम नींद का हिस्सा बढ़ जाता है।

किन लोगों को लेनी चाहिए कितनी नींद ?

शोधकर्ताओं के अनुसार, नींद याददाश्त को मजबूत करने, बच्चों के विकास और प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। किशोरों को हर रात आठ से 10 घंटे सोने की सलाह दी जाती है। तीन से पांच साल के बच्चों के लिए 10 से 13 घंटे और छह से 12 साल के बच्चों के लिए नौ से 12 घंटे की नींद जरूरी मानी जाती है। सोते हुए व्यक्ति का मस्तिष्क पूरी तरह बंद नहीं होता। रात के अलग–अलग चरणों में मस्तिष्क के अलग–अलग हिस्से सक्रिय रहते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि नींद में बोलना तब होता है जब भाषा और बोलने के लिए जिम्मेदार मस्तिष्क के हिस्से सक्रिय रहते हैं, जबकि मुंह को बोलने से रोकने वाले हिस्से नींद में होते हैं। अधिकतर मामलों में नींद में बोलना स्पष्ट शब्दों में नहीं होता। व्यक्ति बड़बड़ा सकता है, हंस सकता है या फुसफुसा सकता है। यदि कोई शब्द बोला जाता है तो नहीं सबसे आम शब्द है, जो नींद में बोले गए कुल शब्दों का करीब पांच प्रतिशत होता है। नींद में बोलने वाले लोग अक्सर सवाल पूछते हैं और कभी–कभी अपशब्द भी बोल सकते हैं। कई बार ऐसा लगता है कि वे किसी से बहस कर रहे हैं।

क्या ये है चिंता की बात?

कुछ मामलों में नींद में बोलने वाला व्यक्ति ऐसे बोलता है मानो वह किसी के साथ वास्तविक बातचीत कर रहा हो और दूसरे व्यक्ति के जवाब देने के लिए रुक भी रहा हो। शोधकर्ताओं का मानना है कि यह उसके सपने में चल रही बातचीत का एक हिस्सा हो सकता है। नींद पर शोध करने वाली प्रयोगशालाओं में किए गए अध्ययनों के अनुसार, आरईएम नींद के दौरान व्यक्ति जो बोलता है, वह करीब 80 प्रतिशत मामलों में उसी समय देखे जा रहे उसके सपने से मेल खाता है। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि नींद में बोलने वाले लोगों की रात की नींद गैर–नींद में बोलने वालों की तुलना में डेढ़ घंटे से अधिक कम हो सकती है और उन्हें करीब आधी आरईएम नींद मिलती है।

बैचलर पार्टी डीयू में ज्योतिर्मयी निभाएंगी पॉली का किरदार, 19 नवंबर को रिलीज होगी फिल्म

मलयालम फिल्ममेकर अमल नीरद की अपकमिंग फिल्म बैचलर पार्टी डीयू को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह है। अब मेकर्स ने फिल्म में एक्ट्रेस ज्योतिर्मयी के किरदार का नाम भी सामने ला दिया है। वह फिल्म में पॉली के किरदार में नजर आएंगी। डायरेक्टर अमल नीरद ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी देते हुए लिखा, ज्योतिर्मयी इज पॉली। यह फिल्म साल 2012 में रिलीज हुई अमल नीरद की सफल फिल्म बैचलर पार्टी का सीक्वल है। यही वजह है कि फिल्म को लेकर फैंस के बीच खास दिलचस्पी बनी हुई है। सूत्रों के मुताबिक, नई फिल्म की कहानी पिछली फिल्म से जुड़ी होगी, लेकिन इसमें कई नए किरदार भी देखने को मिलेंगे। बैचलर पार्टी डीयू में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी। फिल्म में प्रेमलु से देशभर में पहचान बनाने वाले एक्टर नसलेन लीड रोल में हैं। उनके अलावा कुंचाको बोबन, टोविनो थॉमस, सौबिन शाहिर, श्रीनाथ भासी, शराफुद्दीन, शाइन टॉम चाको, चंदू सलीमकुमार, रजीशा विजयन, हंसिका कृष्णा और पेरिस लक्ष्मी भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। मेकर्स इससे पहले फिल्म में नादिया मोइदू और रजीशा विजयन के किरदारों के नाम का भी खुलासा किया था। नादिया फिल्म में अन्ना मैथ्यूज का किरदार निभा रही हैं, जबकि रजीशा विजयन सिंपल के रोल में दिखाई देंगी। फिल्म में शाइन टॉम चाको गुरु, चंदू सलीमकुमार मम्मू, श्रीनाथ भासी जावी और शराफुद्दीन पप्पन के किरदार में नजर आएंगे। वहीं, सौबिन शाहिर फिल्म में डैनी की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, टोविनो थॉमस के किरदार को लेकर मेकर्स ने अब तक सस्पेंस बनाए रखा है। फिल्म से उनका लुक सामने आ चुका है, लेकिन उनके किरदार का नाम नहीं बताया गया है। टोविनो के पोस्टर जारी करते हुए अमल नीरद ने मशहूर अंग्रेजी नाटककार विलियम शेक्सपियर की एक पंक्ति भी लिखी थी, हेल इज एम्प्टी एंड ऑल द डेविल्स आर हियर। इस पंक्ति का मतलब है कि नरक खाली है और सारे शैतान यहां मौजूद हैं। डायरेक्टर की इस पोस्ट ने फिल्म को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। बैचलर पार्टी डीयू इसी साल 19 नवंबर को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

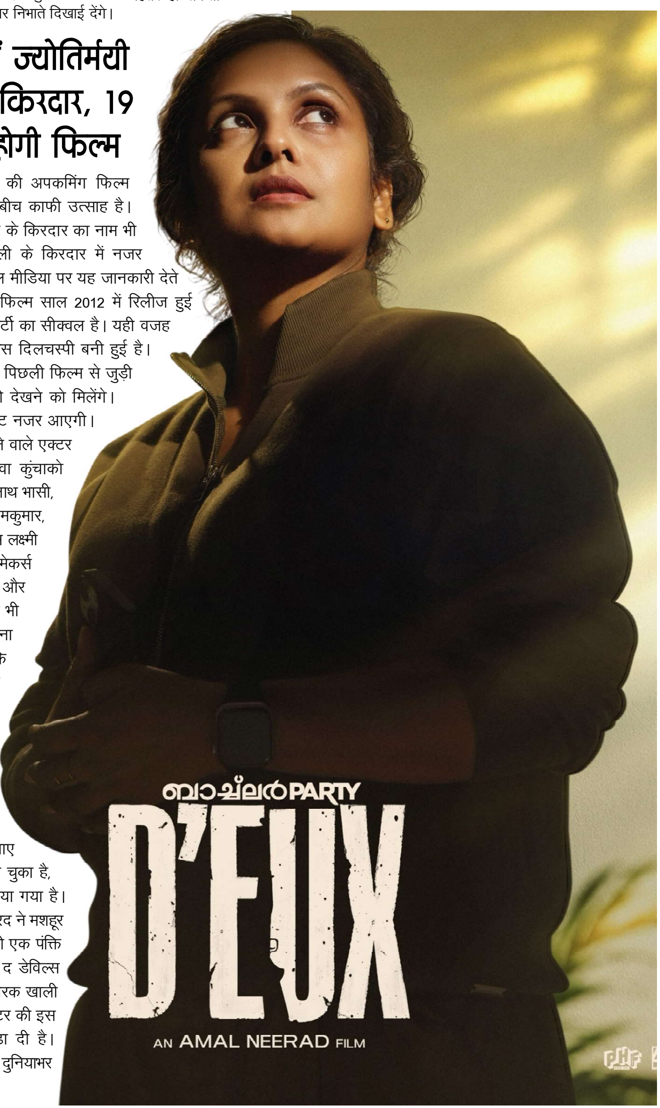

न्यूजीलैंड ए पर किस्मत मेहरबान, इंडिया ए खराब रोशनी के कारण जीत से चूकी

लिंकन, एजेंसी। भारत ए और न्यूजीलैंड ए के बीच खेला गया पहला अनाधिकारिक टेस्ट खराब रोशनी की वजह से ड्रॉ के रूप में समाप्त हुआ। खराब रोशनी की वजह से जिस समय मैच रोका गया, उस समय टीम इंडिया को जीत के लिए सिर्फ 1 विकेट चाहिए था। मैच की बात करें तो न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने निराशाजनक बल्लेबाजी की थी और महज 113 रन पर सिमट गई थी। भारत के लिए यश राठौड़ ने सर्वाधिक 44 रन बनाए थे, जबकि देवदत्त पड्डिकल 32 रन बनाकर दूसरे सबसे बड़े स्कोरर रहे थे। न्यूजीलैंड ने कप्तान राइस मारिउ के 76 रन और डिन फॉक्सक्रॉफ्ट के 51 रन की मदद से पहली पारी में 317 रन बनाकर भारतीय टीम पर

204 रन की बढ़त बनाई थी। टीम इंडिया ने दूसरी पारी में 516 रन का विशाल स्कोर बनाया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए देवदत्त पड्डिकल ने 248 गेंदों पर 24 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 199 रन बनाए थे। पड्डिकल 1 रन से अपने दोहरे शतक से चूक गए। इसके अलावा, साई सुदर्शन भी शतक से चूक गए। सुदर्शन ने 184 गेंदों पर 12 चौकों की मदद से 91 रन बनाए। यश राठौड़ ने 66 और वाशिंगटन सुंदर ने 52 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड ए को पहली पारी में मिली 204 रन की बढ़त की वजह से जीत के लिए 313 रन का लक्ष्य मिला था। कीवी टीम दूसरी पारी में भारतीय गेंदबाजों के सामने बिखर गई। दूसरी पारी में न्यूजीलैंड ने अपने 9 विकेट 187 रन पर गंवा दिए थे। मैच में करीब 1 घंटे का समय बाकी था। लेकिन मैच को खराब रोशनी की वजह से रोकना पड़ा और अंत में ड्रॉ के रूप में समाप्त हो गया। भारतीय टीम को खराब रोशनी का नुकसान हुआ। हाथ में आई जीत फिसल गई। भारत के लिए चिंता की बात यह रही कि स्टार बल्लेबाजों यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल की सलामी जोड़ी दोनों ही पारियों में फ्लॉप रही।

एशियन पैरा गेम्स के दौरान हुई इंजरी से रिकवर कर रहे अरशद शेख

नयी दिल्ली, एजेंसी। जापान के आइची–नागोया में एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों के टाइम ट्रायल के दौरान हुए क्रैश में लगी चोटों की सर्जरी के बाद भारतीय पैरा–साइक्लिस्ट अरशद शेख ठीक हो रहे हैं। शेख के बाएं फीमर में डिस्प्लेस्ड फ्रैक्चर के बाद उनका शिजुओका प्रीफेक्चर के चुटेएन जनरल मेडिकल सेंटर में इलाज चल रहा है। यह चोट शेख के लिए खास तौर पर गंभीर है, जो घुटने के ऊपर से एंप्यूटी (अंगहीन) हैं और चलने–फिरने तथा कॉम्पिटिशन के लिए प्रोस्थेसिस पर निर्भर हैं। जापान में भारतीय एंबेसडर नगमा मोहम्मद मलिक सोमवार को एथलीट से मेडिकल फैसिलिटी में मिलीं और उनके जल्दी ठीक होने की कामना की।

भारत ने टॉस जीतकर चुनी गेंदबाजी, न्यूजीलैंड की प्लेइंग इलेवन में 3 बदलाव

वेलिंगटन, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच हेनरी स्टेडियम, वेलिंगटन में 5 टी20 मैचों की सीरीज का तीसरा मुकाबला खेला जा रहा है। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। टॉस जीतने के बाद श्रेयस अय्यर ने कहा, हम गेंदबाजी करेंगे। कुछ चीजों में हमें सुधार करना होगा। हमें कंडीशन के हिसाब से जल्दी ढलना होगा। यही हमारे लिए अच्छा होगा। टीम में कोई बदलाव नहीं है। भारतीय टीम ने पिछले दोनों मैच लक्ष्य का पीछा करते हुए जीते हैं। यही वजह है कि श्रेयस अय्यर ने टॉस जीतकर एक बार फिर से गेंदबाजी चुनी है। ईशान किशन इंजरी की वजह से इस मैच की प्लेइंग इलेवन का भी हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह वैभव सूर्यवंशी टीम में हैं और तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। पिछले मैच में वैभव का

बल्ला नहीं चला था। इसलिए इस मैच में वे अपने मौके का फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। न्यूजीलैंड के कप्तान मिशेल सेंटनर ने कहा, विकेट अच्छा लग रहा है, इसमें गति और बाउंस है। हवा नहीं चल रही है, जो अच्छी बात है। जहां से हम आए हैं, वहां से फील्ड का साइज थोड़ा अलग है। इंडिया एक बेहतरीन टीम है। टीम में तीन बदलाव हैं। मैट हेनरी, लॉकी फर्गुयसन और नाथन स्मिथ बाहर हैं। उनकी जगह मैथ्यू फिशर, काइल जैमीसन और एडम मिल्ने को टीम में शामिल किया गया है। भारतीय टीम शुरुआती 2 मैच जीतकर सीरीज में 2–0 से आगे है।

पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट सीरीज से निसांका बाहर, श्रीलंका ने लाहिरु उदारा को दिया मौका

कोलंबो, एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले श्रीलंका को बड़ा झटका लगा है। टीम के सलामी बल्लेबाज पथुम निसांका चोट की वजह से टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। पथुम निसांका बाई हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। निसांका की जगह श्रीलंका की टीम में लाहिरु उदारा को शामिल किया गया है। श्रीलंका क्रिकेट ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। श्रीलंका क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, पथुम निसांका पाकिस्तान के खिलाफ आने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज नहीं खेल पाएंगे। वह अभी तक अपनी बाई हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर नहीं पाए हैं। क्रिकेट सिलेक्शन कमेटी ने उनकी जगह लाहिरु उदारा को शामिल किया है। उदारा श्रीलंका की वनडे टीम का हिस्सा होने की वजह से पहले से ही पाकिस्तान में हैं। निसांका पूर्व घोषित

टेस्ट टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, उनका खेलना पूरी तरह से फिटनेस पर निर्भर था। उदारा के पहले से पाकिस्तान में मौजूद होने की वजह से श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के लिए उनका चयन आसान हो गया। लाहिरु उदारा ने 5 टेस्ट मैचों में 1 शतक की मदद से 313 रन बनाए हैं। उनका सर्वाधिक स्कोर 188 है। दो टेस्ट मैचों की यह सीरीज आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकिल का हिस्सा है। पहला टेस्ट 9 नवंबर से रावलपिंडी में और दूसरा टेस्ट 17 नवंबर को लाहौर में खेला जाएगा। श्रीलंका की टीम की कप्तानी कुसल मेंडिस करेंगे।

31 प्रतिशत गिरा स्टर्लिंग टूल्स का मुनाफा

मुंबई, एजेंसी। ऑटोमोटिव सेक्टर की कंपनी स्टर्लिंग टूल्स ने मंगलवार को वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही (जुलाई–अक्टूबर) के नतीजे जारी किए। कंपनी का स्टैंडअलोन मुनाफा सालाना आधार पर 31.12 प्रतिशत 13.63 करोड़ रुपए रह गया है, जो कि पिछले साल की समान तिमाही में 19.79 करोड़ रुपए था। तिमाही आधार पर भी कंपनी के मुनाफे में गिरावट दर्ज की गई है। वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में यह 16.40 करोड़ रुपए था। कंपनी की ओर से दायर की गई एक्सचेंज फाइलिंग में कहा गया कि वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में उसकी परिचालन से आय सालाना आधार पर 32.93 प्रतिशत बढ़कर 225.89 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि पिछले वर्ष समान तिमाही में 169.93 करोड़ थी।

ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम का शेड्यूल बेहतर बनाया जाए: एलिसा हीली

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम दुनिया की सफलतम टीमों में से एक है, लेकिन इस टीम को अपने ही देश में वो पहचान और सम्मान नहीं मिल रहा, जिस पहचान और सम्मान की यह टीम हकदार है। पूर्व कप्तान एलिसा हीली और पूर्व क्रिकेटर मेल जोन्स ने इसको लेकर चिंता जताई है। दरअसल, पिछले गुरुवार को नॉर्थ सिडनी ओवल में न्यूजीलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम का तीसरा वनडे मैच खेला जाना था। उसी दिन शाम 7 बजे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पुरुष टीम का टेस्ट मैच भी था। दोनों मैचों का समय टकरा गया। सिडनी में बारिश के कारण महिला टीम का मैच सिर्फ 16 गेंदों के बाद ही रद्द करना पड़ा। इस पर एलिसा हीली ने कहा, वे शाम 7ः15 बजे नॉर्थ सिडनी में खेल रहे हैं

और 7 बजे टेस्ट शुरू होगा। हम अपनी ही टीम से टकरा रहे हैं, जो विदेश में खेल रही है। यह बहुत निराशाजनक है। हमारी लड़कियां इतना अच्छा खेल रही हैं, लेकिन अपने ही देश में उन्हें स्पॉटलाइट नहीं मिल रही। मेल जोन्स ने हीली की बात का समर्थन करते हुए कहा, दुनिया की सबसे अच्छी स्पोर्ट्स टीम हमारे दरवाजे पर है, लेकिन हम उसे दिखा नहीं पा रहे। उनके शानदार प्रदर्शन और उनकी कहानियों को वो जगह नहीं मिल रही, जिसकी वो हकदार हैं। फैंस के लिए भी ऐसी गर्मी में आकर टीम को सपोर्ट करना मुश्किल हो जाता है। शेड्यूल की समस्या सिर्फ एक मैच की नहीं है। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम अगले चार महीने तक अपने देश में कोई इंटरनेशनल मैच नहीं खेलेगी। अक्टूबर में बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज सिर्फ ब्रिस्बेन और सिडनी में ही होंगी। हीली ने कहा, आप तीन वनडे ब्रिस्बेन में और तीन टी20 सिडनी में खेल रहे हैं। पूरे ऑस्ट्रेलिया को उस टीम को देखने का मौका भी नहीं मिल रहा, जो अभी वर्ल्ड कप जीतकर आई है। यह सच में दुख की बात है। दरअसल, विमेंस प्रीमियर लीग, विमेंस बिग बैश लीग और आईसीसी की विमेंस चौंपियंस ट्रॉफी के 2027 तक टलने से कैलेंडर काफी व्यस्त हो गया है।

भारत–अमेरिका ट्रेड डील बातचीत को व्हाइट हाउस ने बताया सकारात्मक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत–अमेरिका ट्रेड डील को व्हाइट हाउस ने सकारात्मक करार दिया है। वहीं, केंद्रीय वाणिज्य

पीयूष गोयल बोले– ज्यादातर मुद्दों पर बनी सहमति

एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि समझौते को लेकर ज्यादातर मुद्दों पर बातचीत पूरी हो चुकी है और अब उसके अंतिम प्रारूप को बेहतर बनाने पर काम किया जा रहा है। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता मैथ्यू मिडलटन ने आईएएनएस के पूछे सवालों का जवाब देते हुए कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन भारत के अधिकारियों के साथ सकारात्मक बातचीत कर रहा है, ताकि ऐसा ऐतिहासिक व्यापार समझौता सुनिश्चित किया जा सके जो अमेरिका और अमेरिकी हितों को प्राथमिकता दे। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच करीबी व्यक्तिगत संबंध हैं और दोनों नेता द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह बयान ऐसे समय आया है, जब गोयल ने नीदरलैंड के हेग में आयोजित भारत–नीदरलैंड बिजनेस फोरम में कहा, भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता का बड़ा हिस्सा पूरा हो चुका है। गोयल जर्मनी और नीदरलैंड की यात्रा पर गए भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने पिछले साढ़े चार वर्षों में नौ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। भारत और अमेरिका ने इस साल फरवरी में द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए एक रूपरेखा की घोषणा की थी।

एआई कंपनी एंथ्रोपिक आईपीओ लाने की तैयारी में, छह महीने में 16.3 अरब डॉलर का रेवेन्यू दर्ज

वाशिंगटन, एजेंसी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कंपनी एंथ्रोपिक ने अमेरिका में अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) लाने के लिए आवेदन किया है। कंपनी ने अपनी वित्तीय रिपोर्ट में जहां आय में तेज बढ़ोतरी दिखाई है, वहीं, भारी घाटे का भी खुलासा किया है। कंपनी नैस्डैक स्टॉक एक्सचेंज पर एएनटी प्रतीक के तहत सूचीबद्ध होने की तैयारी कर रही है। सैन फ्रांसिस्को स्थित कंपनी ने सोमवार को बताया कि एंथ्रोपिक ने पीबीसी ने यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) के पास फॉर्म एस–1 के तहत आवेदन दाखिल किया है। यह कंपनी के क्लास ए सामान्य शेयरों की प्रस्तावित बिक्री से जुड़ा है। हालांकि, कंपनी ने अभी यह नहीं बताया है कि कितने शेयर बेचे जाएंगे और उनकी कीमत क्या होगी।

फाइलिंग के अनुसार, एंथ्रोपिक का रेवेन्यू 2023 में 4.1 करोड़ डॉलर, 2024 में 38.6 करोड़ डॉलर और 2025 में 4.6 अरब डॉलर रहा। 30 जून 2026 को समाप्त हुए छह महीनों में रेवेन्यू 16.3 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो पिछले साल की तुलना में 1,300 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। हालांकि, एंथ्रोपिक ने निवेशकों को चेतावनी भी दी है कि भविष्य में इतनी तेज वृद्धि जारी रहना जरूरी नहीं है। इसने कहा कि वह यह भरोसा नहीं दे सकती कि राजस्व आगे भी इसी गति से बढ़ेगा या बढ़ेगा भी या नहीं। फाइलिंग से पता चलता है कि 2025 में कंपनी को 41.97 अरब डॉलर का शुद्ध नुकसान हुआ और 2026 के पहले 6 महीनों में यह नुकसान 80.75 अरब डॉलर रहा। यानी कारोबार तेजी से बढ़ने के बावजूद कंपनी अभी भी भारी निवेश और खर्चों के कारण नुकसान में चल रही है। कंपनी के आईपीओ को गोल्डमैन सैक्स, मॉर्गन स्टेनली, जेपी मॉर्गन, सिटीग्रुप, बार्कलेज और वेल्स फार्गो सिक्योरिटीज जैसे बड़े वित्तीय संस्थान संभालेंगे। 2021 में स्थापित एंथ्रोपिक एक पब्लिक बेनिफिट कॉरपोरेशन है। इसके लॉन्ग–टर्म बेनिफिट ट्रस्ट के पास बोर्ड के अधिकांश सदस्यों को चुनने और हटाने की शक्ति है। फाइलिंग में इसे वित्तीय रूप से निष्पक्ष ट्रस्ट बताया गया है। कंपनी के सीईओ डारियो एमोडेई और प्रेसिडेंट डेनिएला एमोडेई, अन्य पांच सह–संस्थापकों के साथ मिलकर, एक फाउंडर्स एंटिटी के जरिए विशेष क्लास एफ स्टॉक अपने पास रखेंगे। क्लाउड अमेजन वेब सर्विसेज, गूगल क्लाउड और माइक्रोसॉफ्ट एज्योर पर उपलब्ध है और कंपनी अपने मॉडल को अमेजन ट्रेनियम, गूगल टीपीयू, एनवीडिया और एएमडी चिप्स पर प्रशिक्षित करती है। आईपीओ दस्तावेजों में भारत में कंपनी के संचालन या भारतीय ग्राहकों के बारे में कोई विशेष जानकारी नहीं दी गई है। इसमें कहा गया है कि कंपनी की सहायक कंपनियां और परिचालन यूके, यूरोपीय संघ, कनाडा और एशिया–प्रशांत में हैं और यूरोप और एशिया–प्रशांत में अंतरराष्ट्रीय कार्यालय हैं।

मुनीबा अली होंगी पाकिस्तान की कप्तान

लाहौर, एजेंसी। विकेटकीपर–बल्लेबाज मुनीबा अली आईसीसी विमेंस इमर्जिंग नेशंस ट्रॉफी 2026 में पाकिस्तान की कप्तानी होंगी। आयशा जफर उपकप्तान होंगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को टूर्नामेंट के लिए 14 सदस्यीय टीम की घोषणा की। टूर्नामेंट 10 टीमों के बीच 12 से 25 नवंबर तक अजमान, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में खेला जाएगा। पाकिस्तान टीम पहली बार इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है। टूर्नामेंट की शुरुआत 2025 में हुई थी। टीम में मुनीबा और आयशा के अलावा पांच और बल्लेबाजकृ इमान नसीर, इमान फातिमा, सदफ शमास, सायरा जबीन और शवाल जुल्फिकारकृहैं। गुल फिरोजा, जिन्हें हाल ही में नेशनल विमेंस टी20 टूर्नामेंट में श्रेष्ठ विकेटकीपर–बल्लेबाज चुना गया था, को भी शामिल किया गया है।

कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते लाल निशान में खुला बाजार, सेंसेक्स करीब 400 अंक फिसला

मुंबई, एजेंसी। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को भारतीय शेयर बाजार में सुस्त शुरुआत की। यह लगातार छठा दिन है जब बाजार में गिरावट दर्ज की गई है, वहीं इस हफ्ते का गिरावट का यह लगातार दूसरा दिन है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और मध्य पूर्व में भू–राजनीतिक तनाव के चलते बाजार में सतर्कता का माहौल बना हुआ है। दिन के शुरुआत में सेंसेक्स 122.37 अंक यानी 0.17 प्रतिशत गिरकर 73,484.38 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 44.40 अंक यानी 0.20 प्रतिशत गिरकर 22,708.80 पर खुला। दिन के कारोबार में एक समय सेंसेक्स अपने पिछले बंद 73,606.75 से 395.99 अंक यानी 0.53 प्रतिशत फिसलकर 73,210.76 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 50 अपने पिछले बंद भाव 22,753.20 से 100 अंक या 0.43 प्रतिशत गिरकर 22,653.20 के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गया।

व्यापक बाजारों ने प्रमुख बेंचमार्को से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 1.6 प्रतिशत की तेजी आई और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स में 0.54 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वहीं सेक्टरवार देखें तो, शुरुआत कारोबार में आईटी, सीमेंट और ऑयल एंड गैस शेयरों में बिकवाली देखी गई, जबकि फार्मा, हेल्थकेयर और पीएसयू बैंकों में खरीदारी हुई। निफ्टी आईटी में 1 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट आई, जबकि निफ्टी सीमेंट 0.98 प्रतिशत और निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.53 प्रतिशत नीचे आ गए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.68 प्रतिशत, निफ्टी फार्मा में 0.44 प्रतिशत और निफ्टी हेल्थकेयर में 0.39 प्रतिशत की तेजी रही। मुद्रा बाजार में भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 2 पैसे बढ़कर 95.17 पर खुला, जबकि पिछले दिन यह 95.19 के स्तर पर बंद हुआ था। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि ब्रेंट क्रूड का 114 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बने रहना और अमेरिकी 10–वर्षीय बॉन्ड यील्ड का 4.97 प्रतिशत के आसपास रहना, निकट भविष्य में बाजार के लिए चुनौतियां बनी हुई हैं। विश्लेषकों ने कहा, मौजूदा कठिन आर्थिक माहौल में एफआईआई जोखिम लेने से बच्चे (रिस्क–ऑफ मोड में रहेंगे)। हालांकि, कॉर्पोरेट सेक्टर के बेहतर होते फंडामेंटल्स – जो दूसरी तिमाही की कमाई में दिख रहे हैं।

डेरिल मिचेल का विस्फोटक अर्धशतक : तीसरा टी20

वेलिंगटन, एजेंसी। हेनरी स्टेडियम में भारत के खिलाफ खेले जा रहे तीसरे टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट के नुकसान पर 198 रन बनाए हैं। टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज टिम सिफर्ट मात्र 2 रन बनाकर आउट हो गए। दूसरे विकेट के लिए फिन एलन ने डेरिल मिचेल के साथ 43 गेंदों पर 86 रन की साझेदारी से टीम को 90 रन तक पहुंचाया। एलन 25 गेंदों पर 5 छक्कों की मदद से 40 रन बनाकर आउट हुए। मिचेल और ग्लेन फिलिप्स के बीच तीसरे विकेट के लिए 21 गेंदों पर 33 रनों की साझेदारी हुई। फिलिप्स 17 रन बनाकर आउट हुए।

भारत में निवेश और चिप निर्माण के बड़े अवसर, डच कंपनियों को पीयूष गोयल ने दिया न्योता

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नीदरलैंड्स की कंपनियों को भारत में निवेश, सह–विनिर्माण (को–मैन्युफैक्चरिंग) और नवाचार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, सुधारों की गति और तेजी से विकसित हो रहा विनिर्माण एवं प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र डच कंपनियों के लिए व्यापक संभावनाएं प्रदान करता है। नीदरलैंड्स में आयोजित बिजनेस लीडर्स राउंडटेबल के दौरान गोयल ने कई प्रमुख कंपनियों के मुख्य अधिकारियों और उद्योग नेताओं के साथ चर्चा की। इस दौरान उन्होंने भारत की विकास यात्रा, निवेश संभावनाओं और दोनों देशों के बीच अवसरों पर प्रकाश डाला। गोयल ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए नेक्सपेरिया के अंतरिम सीईओ स्टीफन टिल्गर से मुलाकात भी की। उन्होंने एक्स पोस्ट में कहा, भारत की तेजी से बढ़ती इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षमता और विस्तार में भारत–नीदरलैंड्स सहयोग को मजबूत बनाने पर चर्चा की।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक विजय दुबे द्वारा 62, पार्वती नगर, पाण्डेयपुर, वाराणसी से प्रकाशित व काशी प्रिंटर्स, मिन्ट हाउस, वाराणसी से मुद्रित। समस्त विवादों का लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

फोन : 91 8787220970
91 9839666352
आर.एन.आई.रूUPHIN/2008/32231
डाक पंजीयन : जी–2/न्यूज पेपर/59/2004.
E-mail: lokhastakshep@gmail.com

संपादक: विजय दुबे
कार्यकारी संपादक: दीप्ती दुबे
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र
'समाचारों के चयन व संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी

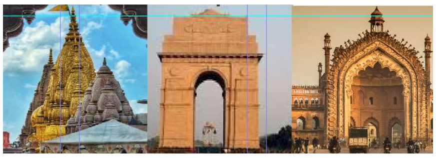

एसआईआर के नाम पर जनता को गुमराह करना बंद करे कांग्रेस : गौरव गौतम

लोकेश कुमार

गुरुग्राम। लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओश अभियान के तहत बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय शगुरुकमलश में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इसमें हरियाणा के खेल एवं युवा राज्य मंत्री गौरव गौतम ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर कांग्रेस और विपक्षी दलों पर तीखा राजनीतिक प्रहार किया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस एसआईआर को लेकर जनता के बीच भ्रम फैलाने और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करने की घटिया राजनीति कर रही है।

राज्य मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित मतदाता सूची अत्यंत आवश्यक है। एसआईआर का उद्देश्य किसी भी पात्र नागरिक का अधिकार छीनना नहीं, बल्कि मतदाता सूची को अधिक सटीक और विश्वसनीय बनाना है। कांग्रेस इस संवैधानिक प्रक्रिया को राजनीतिक विवाद का विषय बनाकर जनता में अनावश्यक आशंकाएँ पैदा करने का प्रयास कर रही है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर बार–बार बिना प्रमाण के आरोप लगाना लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति जनता के विश्वास को कमजोर करने का प्रयास है।

गौतम ने कांग्रेस के इतिहास पर तंज कसते हुए कहा कि पार्टी अपनी नीतिगत विफलताओं पर चर्चा करने के बजाय अपनी जिम्मेदारी से भाग रही है।

यही कारण है कि तमिलनाडु में कांग्रेस 59 वर्षों से और पश्चिम बंगाल में 49 वर्षों से सत्ता से बाहर है। ओडिशा, त्रिपुरा और उत्तर प्रदेश में भी जनता लंबे समय से कांग्रेस को नकार चुकी है।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, जिला महामंत्री मनीष सैदपुर, जिला मीडिया प्रभारी अजय दुआ और सह–प्रभारी पीयूष सैनी सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

चक्रवात अर्नब भयंकर तूफान में बदला

नईदिल्ली, एजेंसी। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवात अर्नब मंगलवार सुबह एक भयंकर तूफान में बदल गया। इसको लेकर आंध्र प्रदेश और ओडिशा में रेड अलर्ट जारी किया गया है। चक्रवात पिछले 6 घंटों में 22 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पश्चिम की ओर बढ़ा है। यह 27 अक्टूबर को शाम तक पश्चिम–उत्तर–पश्चिम बढ़ सकता है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) का अनुमान है कि आंध्र और ओडिशा में हवाएं 115–125 और 140 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल सकती हैं। आंध्र प्रदेश में तूफान को देखते हुए प्रभावित इलाकों में स्कूल बंद रहेंगे और बचाव टीम भेजी गई है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने तैयारियों की समीक्षा की और अधिकारियों को समय पर चेतावनी जारी करने और नुकसान कम करने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है।

अमेरिकी दूतावास ने सऊदी अरब के लिए फिर दी चेतावनी, कहा– हमले और तेज होंगे

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब में यमन के हूती विद्रोहियों के संभावित हमलों को देखते हुए अमेरिकी दूतावास ने एक बार फिर सुरक्षा चेतावनी जारी की है। अमेरिकी मिशन ने मंगलवार को जारी बयान में आशंका जताई कि हमले तेजी से फैल सकते हैं और उनका दायरा मौजूदा प्रभावित क्षेत्रों से बाहर तक बढ़ सकता है। सुरक्षा जोखिमों को ध्यान में रखते हुए सऊदी अरब में कार्यरत अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को किसी भी हवाई अड्डे का इस्तेमाल करने से पहले मिशन प्रमुख से विशेष अनुमति लेने का निर्देश दिया गया है। अमेरिकी मिशन के अनुसार, रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने 23 अक्टूबर से कुछ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए आंशिक रूप से परिचालन शुरू कर दिया है। वहीं, कासिम स्थित प्रिंस नायफ बिन अब्दुलअजीज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से भी कुछ उड़ानों का संचालन किया जा रहा है। इसके अलावा, जेद्दा स्थित किंग अब्दुलअजीज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और दम्मम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी उड़ानें संचालित हो रही हैं। हालांकि, सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों के कारण कुछ उड़ानों में देरी हो रही है, जबकि कुछ उड़ानें रद्द भी की जा रही हैं। यात्रियों को हवाई अड्डे जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की पुष्टि करने की सलाह दी गई है। अमेरिका ने 23 अक्टूबर को सुरक्षा जोखिमों के मद्देनजर गैर–आपातकालीन सरकारी कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को सऊदी अरब छोड़ने का आदेश दिया था। इस कदम के पीछे क्षेत्र में बढ़ते सुरक्षा खतरों को प्रमुख कारण बताया गया है।

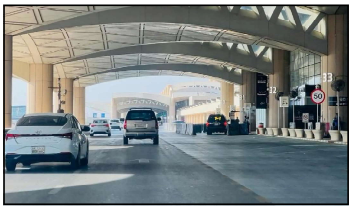

गुवाहाटी के होटल में गोलीबारी

गुवाहाटी, एजेंसी। असम की राजधानी गुवाहाटी में सोमवार देर रात हुई गोलीबारी की घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के चार सदस्य शामिल हैं। घटना बोरा सर्विस इलाके में स्थित होटल बिलास इन में हुई। पुलिस के अनुसार, होटल के मालिक और होटल को पट्टे पर लेने वाले घनकांत गोगोई के बीच विवाद के बाद गोलीबारी हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से लाइसेंसी .32 बोर की पिस्तौल बरामद की है। पुलिस के मुताबिक, घनकांत गोगोई ने पिछले वर्ष होटल पट्टे पर लिया था। इस वर्ष पट्टा समझौते को लेकर होटल मालिक और गोगोई के बीच विवाद चल रहा था।

अमेरिकी दूतावास ने सऊदी अरब के लिए फिर दी चेतावनी, कहा– हमले और तेज होंगे

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब में यमन के हूती विद्रोहियों के संभावित हमलों को देखते हुए अमेरिकी दूतावास ने एक बार फिर सुरक्षा चेतावनी जारी की है। अमेरिकी मिशन ने मंगलवार को जारी बयान में आशंका जताई कि हमले तेजी से फैल सकते हैं और उनका दायरा मौजूदा प्रभावित क्षेत्रों से बाहर तक बढ़ सकता है। सुरक्षा जोखिमों को ध्यान में रखते हुए सऊदी अरब में कार्यरत अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को किसी भी हवाई अड्डे का इस्तेमाल करने से पहले मिशन प्रमुख से विशेष अनुमति लेने का निर्देश दिया गया है। अमेरिकी मिशन के अनुसार, रियाद स्थित किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ने 23 अक्टूबर से कुछ घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए आंशिक रूप से परिचालन शुरू कर दिया है। वहीं, कासिम स्थित प्रिंस नायफ बिन अब्दुलअजीज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से भी कुछ उड़ानों का संचालन किया जा रहा है। इसके अलावा, जेद्दा स्थित किंग अब्दुलअजीज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और दम्मम स्थित किंग फहद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी उड़ानें संचालित हो रही हैं। हालांकि, सुरक्षा संबंधी परिस्थितियों के कारण कुछ उड़ानों में देरी हो रही है, जबकि कुछ उड़ानें रद्द भी की जा रही हैं। यात्रियों को हवाई अड्डे जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की पुष्टि करने की सलाह दी गई है।

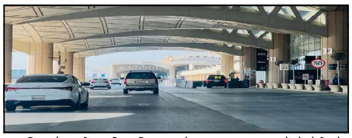

ईरान–पाकिस्तान सीमा के पास सुरक्षा बलों और सशस्त्र लोगों में भीषण झड़प

सिस्तान–बलोचिस्तान प्रांत के सरावान क्षेत्र में हुई गोलीबारी, हताहतों की संख्या की आधिकारिक पुष्टि नहीं

तेहरान, एजेंसी। ईरान के दक्षिण–पूर्वी सिस्तान–बलोचिस्तान प्रांत में पाकिस्तान की सीमा के पास सोमवार को ईरानी सुरक्षा बलों और अज्ञात सशस्त्र लोगों के बीच भीषण झड़प होने की खबर सामने आई है। मानवाधिकार संगठन हाल्वश के अनुसार, संघर्ष सरावान शहर के निकट बख्शान जिले में शुरू हुआ। हालांकि, घटना में हुए नुकसान और मृतकों एवं घायलों की संख्या के बारे में अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल्वश की रिपोर्ट के मुताबिक, झड़प के दौरान दोनों पक्षों के बीच गोलीबारी हुई। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि संघर्ष किन परिस्थितियों में शुरू हुआ और इसमें शामिल सशस्त्र लोग किस संगठन से जुड़े हैं। घटना को लेकर उपलब्ध जानकारी मुख्य रूप से मानवाधिकार संगठन की रिपोर्ट पर आधारित है। ईरान का सिस्तान–बलोचिस्तान प्रांत लंबे समय से सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का सामना कर रहा है। इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों और स्थानीय सशस्त्र समूहों के बीच पहले भी कई बार संघर्ष हो चुके हैं। ईरानी सुरक्षा बल, जिनमें इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर भी शामिल है, यहां नियमित रूप से सुरक्षा अभियान चलाते हैं। ईरानी अधिकारी इन सशस्त्र समूहों को आतंकवादी बताते हैं। वहीं, क्षेत्र में लंबे समय से जारी आर्थिक कठिनाइयों, सामाजिक असंतोष और स्थानीय लोगों की शिकायतों को भी तनाव के संभावित कारणों में गिना जाता है। हालांकि, ताजा घटना में शामिल लोगों की पहचान और उनके उद्देश्य को लेकर अभी कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।